■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 118 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 22-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर 'लालची' नहीं दिखना चाहता : चिराग पासवान

6 भारत में जलवायु संकट : स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

7 'आज की रात' गाने पर रानी चटर्जी ने किया जबरदस्त डांस

फर्स्ट टेक

शिवकुमार ने जेल में बंद कांग्रेस के दो विधायकों से मुलाकात की

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बेंगलूरु सेंट्रल जेल परपन्नअग्रहारा का शुक्रवार को औचक दौरा किया तथा जेल में बंद कांग्रेस विधायकों विनय कुलकर्णी और के. सी. वीरेंद्र उर्फ पप्पी से मुलाकात की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवकुमार ने उनसे कुछ देर तक बातचीत की। कुलकर्णी हत्या के एक मामले में जेल में हैं, जबकि पप्पी धन शोधन के एक मामले में कैद हैं। कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया, उन्हें (शिवकुमार) दो हफ़्ते पहले उनसे मिलना था, लेकिन वह अब मिल रहे हैं। यह सिर्फ़ एक शिष्टाचार भेंट है और कुछ नहीं।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 89.66 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद

मुंबई/भाषा। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपया धराशायी हो गया जब डॉलर के मुकाबले यह 98 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 89 के स्तर को पार कर सर्वकालिक निचले स्तर 89.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर की जोरदार मांग के कारण रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बाजार सूत्रों ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी शेयरों के आसपास हलचल को लेकर चिंताओं से भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, विदेशी निधियों की ताजा धननिकासी से भी निराशा और बढ़ गई।

जापान ने 135 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी

टोक्यो/एपी। जापान के मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को अर्थव्यवस्था को गति देने और उच्च कीमतों के प्रभाव से राहत देने में मदद करने के लिए खर्च के माध्यम से 135.4 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दे दी। पिछले महीने पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सरकारी खर्च बढ़ाने का वादा किया था। हालांकि ऐसी पहल को लेकर यह चिंता भी है कि इससे जापान का राष्ट्रीय ऋण कम करने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है, जो उसकी अर्थव्यवस्था के आकार से लगभग तीन गुना है। यह खर्च पैकेज कोविड-19 महामारी से पहले के वर्षों की तुलना में कहीं अधिक है और इसका एक उद्देश्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जापानी निर्यात पर लगाए गए अधिक अमेरिकी शुल्कों के प्रभाव को कम करना भी है।

22-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 23-11-2025 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
85,231.92	26,068.15
(-400.76)	(-124.00)

सोना	चांदी
12,878 रु.	159,605 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वारक्षण

हर जाति वर्ग में रहे सदा,
कमजोर और पिछड़े अगड़े।
युग-युग से ही होते आए,
हकदारों के हक में झगड़े।
आंदोलन ना हो आए दिन,
ना तोड़फोड़ के सब रगड़े,
सबको ही दे दो आरक्षण,
हो जाए खत्म सभी लफ़ड़े।।

एसआईआर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तृणमूल पर किया कटाक्ष

भारत से हर 'घुसपैठिये' को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है।

भुज (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर ''घुसपैठिये'' को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था।

शाह ने कहा, ''आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है।''

एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें।

शाह ने कहा, ''मैं इस हीरक जयंती समारोह में बहुत स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। यह हमारा प्रण है। एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालना मोदी सरकार का संकल्प है।'' उन्होंने कहा, ''देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है।''

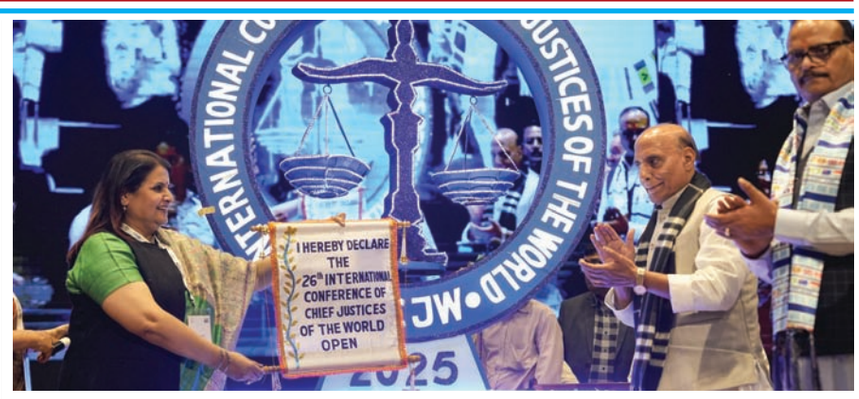

आज की नई दुनिया को नए संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि इजराइल-हमास और यूक्रेन-रूस जैसे वैश्विक संघर्षों और सूडान में जारी मानवीय संकट को हल करने में संयुक्त राष्ट्र काफी मजबूत भूमिका निभा सकता था। उन्होंने कहा कि आज की नई दुनिया को एक नए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आवश्यकता है।

सिंह अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में सिटी मोंस्टोरी स्कूल की ओर से आयोजित विश्व के प्रधान न्यायधीशों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष जारी हैं, जिनमें इजराइल-हमास संघर्ष, यूक्रेन-रूस युद्ध और सूडान समेत अफ्रीका के कई क्षेत्रों में जारी मानवीय संकट शामिल है।

सिंह ने कहा, इन सब के बीच, हमें संयुक्त राष्ट्र से एक बहुत मजबूत भूमिका की उम्मीद थी। लेकिन हम ऐसा होता नहीं देख रहे हैं। ऐसा होता दिखना चाहिए था।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक राजनीति की जटिलताओं, प्रमुख शक्तियों के प्रभाव और संस्थागत प्रक्रियाओं की धीमी गति के कारण ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा, इन कारकों ने अक्सर संयुक्त राष्ट्र की शक्तियों पर सवाल उठाए हैं।

सिंह ने कहा, यह स्थिति तभी बदल सकती है जब हम संयुक्त राष्ट्र को पुन: उसके मूल उद्देश्य शांति, न्याय व समान प्रतिनिधित्व की ओर ले जाएं, जिसकी कल्पना इसकी स्थापना के समय की गई थी। उन्होंने कहा, मुझे दृढ़ विश्वास है कि आज की नई दुनिया को एक नए संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है।

सरकार ने गिग वर्कस के लिए चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **सरकार ने 4 नई श्रम संहिताएँ लागू कर 29 पुराने कानूनों को आसान और एकसाथ कर दिया**
- **अब हर श्रमिक को न्यूनतम वेतन, समय पर भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और गिग वर्कर्स को भी लाभ मिलेगा**

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में सभी चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया। इस प्रमुख सुधार के जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है।

इसमें गिग यानी अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज, सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य नियुक्ति पत्र और सभी क्षेत्रों में वैधानिक न्यूनतम मजदूरी तथा समय पर भुगतान जैसे प्रावधान शामिल हैं।

ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं। सुधारों में महिलाओं के लिए विस्तारित अधिकार और सुरक्षा शामिल हैं। इनमें रात की पाली में काम, 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच, खतरनाक प्रक्रिया इकाइयों सहित पूरे भारत में ईएसआईसी कवरेज और एकल पंजीकरण, लाइसेंस प्रणाली शामिल हैं।

दुबई एयरशो में तेजस दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/दुबई/भाषा। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का लड़ाकू विमान तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। आईएएफ ने यह जानकारी दी। विभिन्न टीवी चैनलों पर दिखाए गए दुर्घटना के दृश्यों में विमान को ऊंचाई से गिरते और फिर आग के गोले में तब्दील होते देखा जा सकता है।

वायुसेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का गठन किया जा रहा है। मार्च 2024 में, वायुसेना का एक तेजस हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) पोखरण रेगिस्तान में सैन्य अभ्यास 'भारत शक्ति' से लौटते समय जैसलमेर में एक आवासीय कॉलोनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह ऐसी पहली दुर्घटना थी जो स्वदेश निर्मित एकल इंजन वाले विमान के 2001 में उड़ान भरना शुरू करने के बाद हुई थी। उस हादसे में पायलट विमान से सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया था। शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर में, एयरशो में हवाई प्रदर्शन के दौरान उड़ान भरते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

बांग्लादेश में 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह लोगों की मौत

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है।

स्वतंत्रता के बाद से चार श्रम संहिताएं सबसे व्यापक, प्रगतिशील सुधार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार द्वारा अधिसूचित चार श्रम संहिताएं आजादी के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं जो श्रमिकों को सशक्त बनाएंगे।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इससे जहां नियमों का पालन करना बहुत आसान होगा, वहीं कारोबार में सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा मिलेगा।''

ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। मोदी ने कहा, ''ये संहिताएं हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल तथा लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव का काम करेंगी।'' उन्होंने कहा, ''ये श्रम संहिताएं भविष्य के अनुकूल श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाला तथा भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने वाला भविष्य के लिए तैयार परिवेश बनाएंगी।

भारत हजारों वर्षों से पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता रहा है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने यहां सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस) के तत्वावधान में आयोजित विश्व के प्रधान न्यायाधीशों एवं न्यायाधीशों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में 'वसुधैव कुटुंबकम' का उद्घोष करते हुए कहा कि 'भारत हजारों वर्षों से पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता रहा है।'

उत्तर प्रदेश की राजधानी में अतिथियों के आगमन पर राज्य सरकार और यहां के लोगों की ओर से उनका स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए योगी ने कहा, ''दुनिया का कोई मत, मजहब या संप्रदाय नहीं, जिसे उसके संकट के समय में भारत ने शरण न दी हो या उसे आगे बढ़ाने और उसके संरक्षण में अपना योगदान न दिया हो।''

योगी ने कहा, ''आज हम दुनिया भर से जुड़े न्यायविदों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में यहां पर उपस्थित हुए हैं। इस अवसर पर सीएमएस लखनऊ के संस्थापक डॉक्टर जगदीश गांधी की स्मृतियों को नमन करता हूं, उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने ही वैश्विक एकता, शांति और न्याय के लिए प्रधान न्यायाधीशों के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत की।''

नासिक में कुंभ मेले की तैयारियों के लिए पेड़ों की कटाई का विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रमुंबई/भाषा। कुंभ मेले से पहले नासिक के तपोवन क्षेत्र में साधु ग्राम कॉलोनी विकसित करने के लिए पेड़ों की प्रस्तावित कटाई को लेकर स्थानीय लोग और पर्यावरण समूह, नगर निकाय की योजना के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। नासिक में 2027 में सिंहस्थ कुंभ मेला लगने वाला है।

नासिक नगर निगम (एनएमसी) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 54 एकड़ भूमि से 1,700 से अधिक पेड़ों को हटाने का प्रस्ताव है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने लगभग 1,670 पेड़ों को पीले रंग से चिह्नित किए जाने के बाद 400 आपत्तियां दर्ज की हैं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इनमें से लगभग 40 प्रतिशत पेड़ों को काटने का प्रस्ताव है। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि जहां भी संभव होगा पेड़ों को स्थानांतरित करने और क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण करने का प्रयास किया जाएगा।

महाजन ने कहा कि कुंभ मेला भारत और विश्व भर से संतों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा और प्रशासन को पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक काटे गए पेड़ के बदले दस नए पेड़ लगाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने साधु ग्राम कॉलोनी स्थापित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

बृहस्पतिवार को प्रदर्शनकारियों से मिलने के बाद उन्होंने कहा, नासिक में सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए न केवल भारत से बल्कि दुनिया भर से संत और महंत आएंगे। इसी पृष्ठभूमि में तपोवन में नासिक नगर निगम द्वारा एक साधु ग्राम विकसित किया जा रहा है। 1,800 से अधिक पेड़ों को काटे जाने की आवश्यकता है।

डाक नेटवर्क से राजस्व नुकसान रोकने को प्रौद्योगिकी-प्रोत्साहन आधारित ढांचा लागू करें : पेम्मासानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने डाक विभाग को 'डाक नेटवर्क' से राजस्व नुकसान को रोकने के लिए एक प्रौद्योगिकी-समर्थित और प्रोत्साहन-संचालित ढांचा लागू करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सरकार ने 2029 तक डाकघरों को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में बदलने का लक्ष्य रखा है।

मंत्री ने डाक विभाग में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की शुक्रवार को अध्यक्षता की। इसमें उन्होंने प्रतिदिन 10,000, 5,000 और 1,000 से अधिक लेन-देन करने वाले डाकघरों का क्षेत्रीय ऑडिट करने का आह्वान किया तथा 'मैनुअल' त्रुटियों और कम बिलिंग को समाप्त करने के लिए वजन तौलने वाली मशीनों को डाक आईटी प्रणालियों के साथ एकीकृत करने का आदेश दिया। बैठक में मंत्री ने कहा, '' ध्यान परिचालन नियंत्रण को मजबूत करने, डिजिटल सुरक्षा प्रणालियों को आधुनिक बनाने तथा एक प्रेरित कार्यबल तैयार करने पर दिया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक रुपए का हिसाब हो।'' मंत्री ने डाक विभाग को अनियमित लेनदेन पर नजर रखने और वितरण शृंखला में मध्य स्तर पर वस्तुओं व पार्सल के प्रवेश को रोकने के लिए 'प्रीपेड बुकिंग अलर्ट' के साथ-साथ गतिशील 'बारकोडिंग' शुरू करने का निर्देश दिया।

बयान में कहा गया कि संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने डाक विभाग (डीओपी) में राजस्व में नुकसान की समस्या को दूर करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने 'डाक नेटवर्क' से राजस्व नुकसान को रोकने के लिए एक बहुआयामी, प्रौद्योगिकी-समर्थित, मजबूत और प्रोत्साहन-संचालित ढांचा अपनाने का आह्वान किया।

पेम्मासानी ने डाक बचत बैंक के डिजिटल एवं वित्तीय सुरक्षा ढांचे की भी समीक्षा की और अधिकारियों के लिए बायोमेट्रिक व ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से मजबूत सुरक्षा उपायों का आह्वान किया। उन्होंने पारदर्शिता बढ़ाने, 'मैन्युअल' त्रुटियों को कम करने और धोखाधड़ी को रोकने के लिए खातों को तेजी से आधार व मोबाइल से जोड़ने और डिजिटल पासबुक को व्यापक रूप से अपनाने के निर्देश दिए।

'मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान दें मछली निर्यातक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने शुक्रवार को समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने की जरूरत बताते हुए निर्यातकों से वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) निर्यात को बढ़ाने की बहुत बड़ी गुंजाइश देते हैं।

'विश्व मत्स्यपालन दिवस 2025' के मौके पर एक आयोजन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए, सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है। मछली किसानों के लिए बेहतर आमदनी पक्का करने के लिए निर्यात को बढ़ावा देने की जरूरत है।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, मंत्री ने समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकार (एमपीईडीए) और निर्यातकों के बीच बेहतर सम्वन्वय की जरूरत पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि निर्यातकों को मूल्यवर्धित उत्पादों और बेहतर पैकेजिंग पर ध्यान देना चाहिए। मंत्रालय के तहत मत्स्यपालन विभाग ने 21 नवंबर, 2025 को 'विश्व मत्स्यपालन दिवस 2025' मनाने के लिए यहां एक कार्यक्रम आयोजित किया। मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने बताया कि पिछले 10 सालों में समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात दोगुना होकर वर्ष 2024-25 में 62,408 करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने निर्यातकों को यह भी भरोसा दिलाया कि सरकार 'व्यापार सुगमता' के लिए हर संभव कदम उठाएगी। बघेल ने वैश्विक निर्यात बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मूल्यवर्धन पर ध्यान देने की जरूरत के बारे में भी बात की।

विकसित हो रहे स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए कुशल कार्यबल महत्वपूर्ण: जिंदल

नई दिल्ली/भाषा। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने शुक्रवार को कहा कि स्टेनलेस स्टील क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल कार्यबल महत्वपूर्ण है और इस उद्योग के अगले पांच वर्षों में सालाना नौ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अभ्युदय जिंदल ने कहा कि उद्योग तेज होती मांग और तीव्र नवाचार के कारण एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी का अगले कुछ वर्षों में पांच लाख एमएसएमई से जुड़े विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है, क्योंकि कुशल और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। जिंदल ने कहा, ''स्टेनलेस स्टील उद्योग पिछले पांच वर्षों में लगभग नौ प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ा है और प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि के साथ अगले चार-पांच वर्षों में भी इसी तरह की वार्षिक वृद्धि दर रहने का अनुमान है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच हवाई मालवाहक सेवाएं 'बहुत जल्द' शुरू होंगी : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अफगानिस्तान के बीच हवाई माल ढुलाई सेवाएं बहुत जल्द शुरू होंगी। भारतीय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान के तालिबान सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अल-हज नूरुद्दीन अजीजी की भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने कहा, '' मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि काबुल-दिल्ली और काबुल-अमृतसर मार्गों पर हवाई माल ढुलाई गलियारा सक्रिय हो गया है। इन क्षेत्रों पर मालवाहक उड़ानें बहुत जल्द शुरू होंगी।'' उन्होंने कहा, '' इससे उनके बीच संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा हमारे व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संबंध और मजबूत होंगे।'' अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार सहयोग की निगरानी और समर्थन के लिए एक-दूसरे के दूतावास में एक व्यापार अताशे की नियुक्ति पर भी बृहस्पतिवार को सहमत हुए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यापार, वाणिज्य एवं निवेश पर संयुक्त कार्य समूह को पुनः सक्रिय किया जाएगा। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव ने कहा, '' द्विपक्षीय व्यापार लगभग एक अरब डॉलर का है। हालांकि, इसमें और वृद्धि की पर्याप्त गुंजाइश बनी हुई है। इस संदर्भ में हमने व्यापार, वाणिज्य और निवेश पर संयुक्त कार्य समूह को पुनः सक्रिय करने का निर्णय लिया है। इस विशेष संयुक्त कार्य समूह की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए भारत एवं अफगानिस्तान व्यवसायों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी।''

भारत का नीतिगत ढांचा मजबूत वैश्विक सह-उत्पादन संबंधों को बढ़ावा देता है : राज्य मंत्री मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने शुक्रवार को कहा कि दृश्य-श्रव्य सहयोग को गहरा करने के लिए सह-निर्माण सबसे शक्तिशाली उपायों में से एक है और भारत का नीतिगत माहौल अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

मुरुगन भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 56वें संस्करण के दौरान एक गोलमेज सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''भारत का नीतिगत माहौल- बेहतर डिजिटल बुनियादी ढांचा, नियामक संवर्धन और इंडिया सिने हब जैसी समर्पित सुविधा व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।'' मुरुगन ने कहा कि भारत के द्विपक्षीय समझौते संयुक्त विकास को प्रोत्साहित करने, अनुमतियों को सरल बनाने तथा प्रतिभा और संसाधनों की सुगम गतिशीलता को सक्षम करने के लिए तैयार किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारत का मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र एक अहम मोड़ पर है और अनुमान है कि 2025 तक यह उद्योग 31.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इजराइली स्टार्टअप के साथ सहयोग पर विचार कर रहा भारत : गोयल

तेल अवीव/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और इजराइली स्टार्टअप साइबर सुरक्षा और चिकित्सकीय उपकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग कर नवाचार परिवेश को बढ़ावा दे सकते हैं। गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रस्तावित व्यापार समझौते का एक मुख्य केंद्र प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग होगा। उन्होंने कहा, ''हम इजराइल के साथ सहयोग करके अपने स्टार्टअप को प्रोत्साहित कर सकते हैं, जिसे हम भारत की विशाल अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और उच्च गुणवत्ता वाले नवाचार के स्तर तक प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर ले जाने की आकांक्षा रखते हैं।

मंत्री तेल अवीव में अपने इजराइल के अर्थव्यवस्था मामलों और उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता करने आए हैं। गोयल 60 सदस्यों वाले व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम इजराइल के साथ गहन सहयोग की ओर देख रहे हैं, जहां हर 1,000 लोगों पर एक स्टार्टअप है। गोयल ने कहा कि इजराइल ने कठिनाइयों को अवसर में बदला है और उनकी कृषि संबंधी आवश्यकताएं तथा स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में विकसित आधुनिक प्रौद्योगिकी नवोन्मेषी हैं।

उत्तराखंड छात्रवृत्ति 'घोटाला': ईडी ने देहरादून विश्वविद्यालय को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली/देहरादून/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तराखंड में कुछ साल पहले हुए कथित छात्रवृत्ति घोटाले के सिलसिले में अपनी धन शोधन जांच का दायरा बढ़ाते हुए देहरादून के एक विश्वविद्यालय को नोटिस जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह मामला अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के छात्रों के फर्जी दाखिले के नाम पर कथित तौर पर छात्रवृत्ति की करोड़ों रुपए की धनराशि हड़पने से जुड़ा हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी के देहरादून कार्यालय ने बुधवार को डीआईटी विश्वविद्यालय के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी कर संस्थान की संबद्धता एवं कार्यप्रणाली के संबंध में 10 दिनों के भीतर कुछ दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है।

मशीन लड़ाई नहीं जीततीं, 'एविएटर्स' का कौशल और संकल्प मायने रखता है : लेफ्टिनेंट जनरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक (महाराष्ट्र)/भाषा। सेना की दक्षिणी कमान के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने शुक्रवार को यहां कहा कि युद्ध में जीत मशीन नहीं बल्कि उन्हें संचालित करने वाले 'एविएटर्स' का कौशल, निर्णय और दृढ़ संकल्प जीत दिलाते हैं।

उन्होंने यहां 'कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल' (सीएटीएस) में पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करने के बाद कहा कि युद्ध का स्वरूप दशकों में अभूतपूर्व गति से बदला है, जिसमें सटीक भिड़ंत, हवाई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, बहु-क्षेत्रीय एकीकरण और तीव्र गति से अभियानों को अंजाम देना शामिल है। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने कहा कि इस विकसित होते अभियानगत माहौल में, सैन्य उड्डयन सेना को एक लचीला, भरोसेमंद और अपरिहार्य तीसरा आयाम प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, ''मानवयुक्त और मानवरहित उपकरणों का हमारा मिश्रण कमांडरों को असाधारण अभियानगत पहुँच प्रदान करता है, जिसमें टोह और निगरानी से लेकर चीजों को ले जाना, हमला और सटीक भिड़ंत तक शामिल हैं। ये क्षमताएँ मिलकर सैन्य उड्डयन को एक निर्णायक लड़ाकू गुणक बनाती हैं।''

राष्ट्रीय राजधानी को वायु प्रदूषण से राहत नहीं, एक्यूआई अब भी 'बेहद खराब'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मामूली गिरावट के साथ 370 दर्ज किया गया, जो बृहस्पतिवार को 391 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने पहले यह अनुमान लगाया था कि वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में जा सकती है।

सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बेहद खराब' और 401 से 500 'गंभीर' माना जाता है। सीपीसीबी के 'समीर' ऐप के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के कुल 23 निगरानी स्टेशनों ने 'बेहद खराब' वायु गुणवत्ता दर्ज की, जबकि 13 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' देखा गया।

वजीरपुर में एक्यूआई सबसे अधिक 442 दर्ज किया गया। आर के पुरम, बवाना, आनंद विहार, जहांगीर पुरी और रोहिणी में भी यह 400 से ऊपर ही रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 53 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ, सोना, हीरे जब्त, 20 लोग गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले सप्ताह विभिन्न अभियानों में 53 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के हाइड्रोपोनिक गांजा, सोना और हीरे जब्त किए और इस सिलसिले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ये बरामदगियां 13 से 20 नवंबर के बीच विभिन्न अभियानों के दौरान की गईं। अभियान के पहले भाग में अधिकारियों ने सात अलग-अलग मामलों में 25.318 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना) बरामद किया, जिसकी कीमत 25.318 करोड़ रुपए थी और इस सिलसिले में सात यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अन्य अभियानों में, सात मामलों में 26.981 करोड़ रुपए मूल्य का 26.981 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया और इन मामलों में आठ यात्रियों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थ के अलावा, इसी अवधि में सोने की तस्करी के चार मामलों का पता लगाया गया और चार यात्रियों के कब्जे से कुल 551 ग्राम 24 कैरट सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 65.57 लाख रुपए है। एक अन्य मामले में, सीमा शुल्क अधिकारियों ने 469.75 कैरट हीरे जब्त किए, जिनमें 43.5 कैरट प्राकृतिक और 426.25 कैरट कृत्रिम हीरे शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 54.13 लाख रुपए है। अधिकारियों ने बताया कि कीमती सामान यात्री ने अपने शरीर में छुपा रखा था और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

हिमाचल का व्यक्ति 45 साल बाद परिवार से मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में 1980 में सिर में चोट लगने के बाद स्मृति खो बैठा और 16 साल की उम्र में लापता हो गया सिरमौर जिले का व्यक्ति रिखी अब 45 साल बाद अपने परिवार से मिला है। हाल ही में एक बार फिर सिर पर चोट लगने के बाद उनकी याददाश्त लौट आयी थी। 61 वर्षीय रिखी अब रवि चौधरी के नाम से पहचाने जाते हैं।

पिछले सप्ताह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जब वह नाहन के पास अपने पैतृक गांव नाड़ी पहुंचे तो हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला। परिवार के सदस्य उन्हें देखकर आंसू बहा रहे थे क्योंकि वे उन्हें मृत मान बैठे थे। परिवार और ग्रामीणों ने रिखी का संगीत व फूलों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने चार दशक बाद अपने भाई-बहनों दुर्गा राम, चंदर मोहन, चंद्रमणि, कौशल्या देवी, कला देवी और सुमित्रा देवी से मिलकर उनके आंसू पोंछे। शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ऐसे उदाहरण दुर्लभ हैं। परिवार और गांव में बहुत खुशी है।

रिखी हरियाणा के यमुनानगर में एक होटल में काम करते थे, जब 1980 में अंबाला की यात्रा के दौरान एक बड़ी सड़क दुर्घटना में सिर पर चोट लगने से उनकी स्मृति चली गई और वह लापता हो गए थे। इसके बाद मित्रों ने उन्हें रवि चौधरी नाम दिया। शर्मा और नाड़ी के अन्य स्थानीय लोगों ने बताया कि अपने अतीत की कोई याद न होने के कारण रिखी मुंबई चला गया, जहां उसने छोटे-मोटे काम करके गुजारा किया और बाद में एक कॉलेज में काम मिलने के बाद महाराष्ट्र के नांदेड में बस गया। वहां उसने संतोषी नामक युवती से विवाह किया। उनके तीन बच्चे हैं।

कुछ महीने पहले लगी दूसरी चोट ने उनके जीवन को फिर बदल दिया। अपने पैतृक गांव नाड़ी में आम के पेड़, संकीर्ण गलियां और सताऊं नामक जगह के एक घर के आंगन की पुरानी, धुंधली तस्वीरें उन्हें सपनों में दिखने लगीं। रिखी को एहसास हुआ कि वे सपने नहीं बल्कि यादें थीं।

रिखी ने एक कॉलेज छात्र की मदद से सताऊं का पता लगाया और गूगल पर गांव को खोजते समय मिले एक फोन नंबर के माध्यम से रुद्र प्रकाश नामक व्यक्ति से संपर्क साधा।

दिल्ली में 48 घंटे की कार्रवाई में साइबर अपराध के 800 से अधिक आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने 'साई-हॉक' नामक 48 घंटे के अभियान में 4,400 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की और विभिन्न साइबर अपराध मॉड्यूल से जुड़े 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के साथ निकट समन्वय में चलाए गए अभियान के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क, नकदी-निकासी एजेंटों और राष्ट्रीय राजधानी में संचालित अवैध कॉल सेंटरों को लक्षित किया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के लिए कुल 4,467 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से 877 को तकनीकी विश्लेषण, वित्तीय सुराग और ठोस सबूतों के आधार पर या तो गिरफ्तार कर लिया गया या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा गया है। उन्होंने कहा कि अन्य 509 लोगों को साइबर-धोखाधड़ी नेटवर्क के साथ उनके संदिग्ध संबंधों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत नोटिस जारी किया गया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस) रजनीश गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि जांचकर्ताओं ने 1,000 करोड़ रुपए से अधिक के वित्तीय लेनदेन की भी पहचान की है, जो कथित तौर पर दिल्ली से संचालित संगठित साइबर सिंडिकेट से जुड़े खातों के माध्यम से स्थानांतरित किए गए थे। पुलिस ने बताया कि दो दिवसीय अभियान में 360 नई प्राथमिकी दर्ज की गईं और साइबर अपराध के 160 मामलों में महत्वपूर्ण सफलता मिली। उसने बताया कि नौकरी, निवेश, और 'वर्क-फ्रॉम-होम' जैसे वादे कर धोखाधड़ी के मामलों का भंडाफोड़ किया गया है, जबकि लोगों को ठगने में शामिल कई कॉल सेंटर पर भी छापा मारा गया है।

कांग्रेस ने कर्नाटक में पार्टी नेताओं को नेतृत्व के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान नहीं देने की हिदायत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी ने राज्य में अपने नेताओं और विधायकों को नेतृत्व के मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देने की सख्त हिदायत दी है। भाजपा पर कर्नाटक सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाते हुए, कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से चर्चा की है।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कुछ कांग्रेस नेताओं और विधायकों के अनावश्यक बयानों ने भी अटकलों को और बढ़ा दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी ने उन्हें (नेताओं और विधायकों को) नेतृत्व के मुद्दे पर कोई भी सार्वजनिक बयान नहीं देने की हिदायत दी है और निहित स्वार्थ वाले तत्वों द्वारा प्रचारित एजेंडे में नहीं फंसने को कहा है।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पार्टी के कई पदाधिकारियों की राय पर नेतृत्व ने गौर किया है।'' सुरजेवाला ने कहा, ''कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ चर्चा हुई और वे इस बात पर सहमत हुए कि पराजित और गुटबाजी से ग्रस्त भाजपा की कर्नाटक इकाई, मीडिया के एक वर्ग के साथ मिलकर, कर्नाटक और राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रही है।''

सुरजेवाला ने कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य कांग्रेस सरकार की शानदार उपलब्धियों और ''पांच गारंटी'' को कमजोर करना है, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि वे समावेशी विकास का एक उत्कृष्ट मॉडल बन गए हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही, राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर पार्टी के भीतर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि वह पार्टी के भीतर गुटबाजी में यकीन नहीं रखते और कांग्रेस के सभी 140 विधायक उनके अपने हैं और वह उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, सभी 140 विधायक मेरे विधायक हैं। गुट बनाना मेरे खून में नहीं है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में फेरबदल का फैसला किया। हर कोई मंत्री बनना चाहता है, इसलिए उनका दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मिलना स्वाभाविक है। यह उनका अधिकार है। हम उन्हें रोक नहीं सकते और न ही मना कर सकते हैं।

शिवकुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री ने कहा है कि वह 5 साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी उनके साथ काम करेंगे। मुख्यमंत्री और मैंने बार-बार कहा है कि हम हाईकमान का पालन करते हैं।''

मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा और आगामी राज्य बजट पेश करूंगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि वह पद पर बने रहेंगे और आगामी राज्य बजट भी पेश करेंगे। सिद्दरामय्या का यह बयान राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी खींचतान के बीच आया है। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार गुट नेतृत्व परिवर्तन के लिए पार्टी हाईकमान पर दबाव बना रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि कम से कम 15 विधायक और करीब एक दर्जन विधान परिषद सदस्य नयी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं ताकि पार्टी नेतृत्व पर शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए दबाव डाला जा सके। खबरों के अनुसार यह मांग 2023 में हुए सत्ता-साझाकरण समझौते पर आधारित है, जिसके तहत सिद्दरामय्या को ढाई साल (20 नवंबर तक) मुख्यमंत्री रहना था और इसके बाद यह जिम्मेदारी शिवकुमार को मिलनी थी।

कुछ विधायकों और विधान पार्षदों के दिल्ली में डेरा डालने के सवाल पर सिद्दरामय्या ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन, मंत्रिमंडल फेरबदल या सरकार के पुनर्गठन पर फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को करना है। उन्होंने कहा, क्या शीर्ष नेतृत्व ने इस पर कुछ कहा है? हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। पहले भी कुछ लोग इस पर चर्चा कर रहे थे, और अब शायद वे (दिल्ली) गए होंगे। अंततः शिवकुमार और मुझे वही सुनना और मानना है जो हाईकमान कहेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अगले दो राज्य बजट भी पेश करेंगे, सिद्दरामय्या ने कहा, आप यह क्यों पूछ रहे हैं? हां, मैं जारी रखूंगा। आगामी बजट मैं ही पेश करूंगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात को लेकर उन्होंने कहा, खरगे आज (शुक्रवार) बेंगलुरु आ रहे हैं। उनके आते ही मैं उनसे मिलूंगा।

कुछ विधायकों और विधान पार्षदों के दिल्ली में डेरा डालने के सवाल पर सिद्दरामय्या ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन, मंत्रिमंडल फेरबदल या सरकार के पुनर्गठन पर फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को करना है। उन्होंने कहा, क्या शीर्ष नेतृत्व ने इस पर कुछ कहा है? हम इसमें कुछ नहीं कर सकते।

नेतृत्व परिवर्तन पर मंत्रियों और विधायकों को सार्वजनिक टिप्पणी से दूर रहने के निर्देशों के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, पार्टी हाईकमान जो भी फैसला करे, सभी को उसका पालन करना होगा-चाहे मंत्री हों या विधायक। शिवकुमार और मुझे भी इसका पालन करना होगा। जब यह बताया गया कि शिवकुमार के भाई डी. के. सुरेश ने कहा है कि सिद्दरामय्या कभी अपनी बात से पीछे नहीं हटते, इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, हां, वह सही कह रहे हैं। मैं कभी अपने बयान से पीछे नहीं हटा। मैंने चुनाव से पहले किए सभी पांच वादे पूरे किए। इस पर जब पूछा गया कि क्या यह बात सत्ता हस्तांतरण पर भी लागू होती है, तो सिद्दरामय्या ने कहा कि इसका फैसला हाईकमान को करना है।

कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी के दिल्ली दौरे पर, सिद्दरामय्या ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे वहां गए हैं या नहीं। डी. के. शिवकुमार पहले ही इस पर बात कर चुके हैं। मैं और क्या कहूँ? उन्होंने कहा, मेरी चेलुवरायस्वामी से बात हुई थी। आज भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात की। उन्होंने बताया कि वे केंद्रीय कृषि मंत्री से मिलने दिल्ली गए हैं।

वायुसेना प्रमुख ने बेंगलूरु में आईएसएएम के 64वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बेंगलूरु स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन में भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसायटी (आईएसएएम) के 64वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 20 नवंबर को शुरू हुए इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के सैन्य अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

चिकित्सा सेवा महानिदेशक (वायु) एयर मार्शल संदीप थरेजा ने अध्यक्षीय भाषण दिया और वायुसैनिकों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन और कार्यक्षमता को सहारा देने में एयरोस्पेस चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रथम भारतीय वायु सेना प्रमुख के सम्मान में स्थापित प्रतिष्ठित एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी स्मारक व्याख्यान, एक उत्साही इतिहासकार अंचित गुप्ता द्वारा दिया गया। पिछले कुछ वर्षों में, डॉ. राजा रमन्ना, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, माधवन नायर, डॉ. नरेश त्रेहन, विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) और श्री सैयद किरमानी जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों ने यह प्रतिष्ठित व्याख्यान दिया है। विमानन चिकित्सा के क्षेत्र में एक प्रख्यात हस्ती और 'विमानन चिकित्सा के जनक' के रूप में प्रसिद्ध एयर वाइस मार्शल एम.एम. श्रीनागेश के सम्मान में स्थापित एयर वाइस मार्शल एम.एम. श्रीनागेश स्मृति व्याख्यान, एयर वाइस मार्शल दीपक गौड़ (सेवानिवृत्त) द्वारा दिया गया।

'जेमी होर्मुसजी फ्रेमजी मानेकशॉ पैनल' में पिक्सेल एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज के सीईओ और संस्थापक अवैस अहमद और इंडिगो एयरलाइंस के मुख्य उड़ान सुरक्षा अधिकारी कैप्टन ध्रुव रेब्बाप्रगदा सहित कई जाने-माने विशेषज्ञों ने अतिथि व्याख्यान दिए।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, सम्मेलन का विषय एयरोस्पेस मेडिसिन में नवाचार : अनंत संभावनाएं' रखा गया है, जो विमान चालकों की सुरक्षा और इष्टतम प्रदर्शन आवश्यकताओं को संतुलित करने में एयरोस्पेस मेडिसिन चिकित्सकों की ओर से अपनाए गए अभिनव दृष्टिकोण को दर्शाता है। बयान के अनुसार, सम्मेलन में सशस्त्र बलों के प्रतिनिधियों, भारतीय वायुसेना और नागरिक उड्डयन क्षेत्र के वायुसैनिकों तथा डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन), एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

बेंगलूरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी के बीच स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन सेवा

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने वीकेन्ड पर यात्रियों की होने वाली ज़्यादा भीड़ को मैनेज करने के लिए बेंगलूरु कैंटोनमेंट और कलबुर्गी के बीच स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनों के छह ट्रिप चलाने का फैसला किया है। ट्रेन नंबर 06207 बेंगलूरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी एक्सप्रेस स्पेशल 22 नवम्बर से 27 दिसम्बर तक हर शनिवार शाम 07:20 बजे बेंगलूरु कैंटोनमेंट से निकलेगी और अगले दिन सुबह 07:30 बजे कलबुर्गी पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन नंबर 06208 कलबुर्गी - बेंगलूरु कैंटोनमेंट एक्सप्रेस स्पेशल 23 नवम्बर से 28 दिसम्बर तक हर रविवार सुबह 09:35 बजे कलबुर्गी से निकलेगी और उसी दिन रात 08:30 बजे बेंगलूरु कैंटोनमेंट पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन येलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, अडोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर और शाहाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में 20 स्लीपर क्लास कोच और 2 सेकंड लगेज-कम-ब्रेक वैन/दिव्यांग-फ्रेंडली कोच होंगे।

किर्लोस्करवाड़ी में रुकेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

मध्य रेलवे ने 24 नवंबर से सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन नंबर 20669/20670 एसएसएस हुब्बल्ली-पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस किर्लोस्करवाड़ी स्टेशन पर दो मिनट के स्टॉपेज के इंतज़ाम को इंगित किया है। ट्रेन नंबर 20669 एसएसएस हुब्बल्ली-पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस किर्लोस्करवाड़ी सुबह 09:38 बजे आएगी और सुबह 09:40 बजे निकलेगी। ट्रेन नंबर 20670 पुणे-एसएसएस हुब्बल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस किर्लोस्करवाड़ी शाम 05:43 बजे आएगी और शाम 05:45 बजे निकलेगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे नए दिए गए स्टॉपेज पर ध्यान दें और इस सुविधा का फ़ायदा उठाएँ।

शिवकुमार ने सिद्दरामय्या के पांच साल का कार्यकाल पूरा करने की टिप्पणी के बाद उन्हें 'शुभकामनाएं' दीं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के पांच साल का कार्यकाल पूरा करने की टिप्पणी के बाद शुक्रवार को उन्हें 'शुभकामनाएं' दीं। शिवकुमार ने कहा कि जब कैबिनेट में फेरबदल प्रस्तावित है, तो विधायकों के दिल्ली जाकर नेताओं से मिलने में कुछ भी गलत नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हाल में कहा कि वह न केवल पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, बल्कि भविष्य में बजट भी पेश करेंगे।

सिद्दरामय्या के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा, ''मुख्यमंत्री ने कहा है कि वह पांच साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी मिलकर काम करेंगे।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''देखिए, मुख्यमंत्री ने अपने मन की बात कह दी है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने (सिद्दरामय्या) कहा है कि यह उनके और पार्टी आलाकमान के बीच है। उन्होंने कहा है कि पार्टी आलाकमान जो कहेगा वह उसका पालन करेंगे। पार्टी आलाकमान जो कहेगा, हम उस पर कायम रहेंगे।'' कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही, राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर पार्टी के भीतर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि ''वह पार्टी के भीतर गुटबाजी में यकीन नहीं रखते।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरा कोई गुट नहीं है। मैं किसी गुट का नेता नहीं हूं। मैं 140 (कांग्रेस) विधायकों का अध्यक्ष हूं। मेरे लिए, सभी 140 विधायक महत्वपूर्ण हैं। मुझे न तो किसी समूह को अपने साथ लेने में दिलचस्पी है और न ही मैं कोई समूह बनाना चाहता हूं। मैं ऐसा नहीं करूंगा। गुटबाजी करना मेरे खून में नहीं है।''

शिवकुमार ने कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री ने कैबिनेट में फेरबदल करने का फैसला किया है, इसलिए मंत्री बनने के इच्छुक विधायकों के लिए दिल्ली जाना और वहां के नेताओं के साथ बैठक करना काफी स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा, विधायक अपनी उपस्थिति दिखा रहे हैं कि वे सबसे आगे हैं, वे काम कर सकते हैं और वे जिम्मेदारी चाहते हैं। हमारी पार्टी के सभी सदस्य मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा आयोजित रात्रि स्नेह भोज के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे डिनर मीटिंग के बारे में नहीं पता।

उच्च न्यायालय ने एच डी रेवन्ना के खिलाफ धारा 354 के तहत आरोप हटाया, 354ए बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जनता दल (एस) नेता एवं होले नरसीपुरा के विधायक एच डी रेवन्ना के खिलाफ उनकी पूर्व घरेलू सहायिकता द्वारा दायर महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने (आईपीसी की धारा 354) के आरोप को खारिज कर दिया है। अदालत ने हालांकि आईपीसी की धारा 354ए के तहत यौन उत्पीड़न के आरोप को बरकरार रखा और निचली अदालत को यह पड़ताल करने का निर्देश दिया कि क्या शिकायत दर्ज करने में देरी को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 468 के तहत माफ किया जा सकता है।

रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पुत्र और जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पिता हैं। वह केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बड़े भाई हैं। न्यायमूर्ति एम.आई. अरुण ने कहा कि शिकायत की विषय-वस्तु अधिक गंभीर धारा 354 के बजाय, धारा 354ए के तहत यौन उत्पीड़न के अपराध के अनुरूप थी। रेवन्ना ने प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें दलील दी गई थी कि शिकायत तीन साल की सीमा अवधि के बाद दायर की गई थी, जो तीन साल तक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए लागू होती है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि कि याचिका स्वयं ही निरर्थक हो गई है, क्योंकि पुलिस पहले ही आरोप पत्र प्रस्तुत कर चुकी है तथा निचली अदालत ने संज्ञान ले लिया है।

रेवन्ना के लिए न्यायाधीश ने कहा कि आरोप शिकायतकर्ता के प्रारंभिक बयान के आधार पर ही तय किए जाने चाहिए, जो केवल धारा 354ए के आरोप का समर्थन करता है। धारा 354ए के तहत अपराध के लिए अधिकतम तीन साल की सजा का प्रावधान है, इसलिए न्यायाधीश ने माना कि शिकायत प्रथमदृष्टया सीआरपीसी की धारा 468 के तहत समय-सीमा के कारण वर्जित है। इसलिए मामले को निचली अदालत को वापस भेज दिया गया है। निचली अदालत अब यह तय करेगी कि शिकायत दर्ज करने में हुई देरी को माफ किया जाना चाहिए या नहीं और फिर यौन उत्पीड़न के आरोप पर तदनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी।

एक परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या की

धारवाड़। कर्नाटक में एक परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर कर्ज के दबाव के कारण शुक्रवार को कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस जिले के धारवाड़ तालुक स्थित चिक्कमल्लीगावाड़ गांव में यह घटना घटी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान विट्ठल शिंदे (80), उनके पुत्र नारायण शिंदे (42) तथा पोते शिवकुमार शिंदे (12) और श्रीनिधि शिंदे (11) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने सुबह येल्लम्मा मंदिर के पास स्थित एक कुएं में छलांग लगा दी। बाद में चरवाहों ने शव को देखा, तब घटना का पता चला।

सेवानिवृत्त कर्नल से 56 लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 83 वर्षीय सेवानिवृत्त सैन्य कर्नल ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बन गए, जब ठगों ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर उन्हें गिरफ्तारी की धमकी दी और उनके बैंक खातों से 56.05 लाख रुपये निकाल लिए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सीईएन अपराध पुलिस थाने में 18 नवंबर को प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी के अनुसार, पीड़ित को 27 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने कॉल किया और खुद को मुंबई पुलिस निरीक्षक संजय पिशे बताकर कहा कि शिकायतकर्ता के नाम पर जारी एक सिम कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ है।

जब बुजुर्ग ने मुंबई आकर जांच में शामिल होने में असमर्थता जताई तो उन्हें वीडियो कॉल के माध्यम से एक वरिष्ठ महिला अधिकारी कविता पोमाने और बाद में एक अन्य फर्जी उच्च अधिकारी विश्वास से जोड़ा गया। कॉल करने वालों ने ऑनलाइन जांच के नाम पर उनके व्यक्तिगत, पारिवारिक और बैंक विवरण निकाल लिए और इस बारे में किसी को बताने पर गिरफ्तारी की धमकी दी। प्राथमिकी में बताया गया कि ठगों ने हर तीन घंटे में उनके लाइव लोकेशन और ''आरबीआई सत्यापन'' के लिए बैंक विवरण व्हाट्सएप पर साझा करने का निर्देश दिया।

पाकिस्तान को पोत निर्माण संबंधी संवेदनशील डेटा लीक करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

उडुप्पी। जहाज निर्माण और पोत संबंधी विवरण के बारे में गोपनीय जानकारी व्हाट्सऐप के जरिए पाकिस्तान भेजने के आरोप में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश निवासी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर निवासी रोहित (29) और संतरी (37) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को उडुप्पी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि रोहित मालपे स्थित कोचीन शिपयार्ड में 'इंसुलेटर' के पद पर कार्यरत था, जबकि संतरी केरल के कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड में काम करता था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दोनों को जहाज निर्माण के विवरण, पोत संख्या और अन्य गोपनीय जानकारी सहित संवेदनशील डेटा व्हाट्सऐप संदेशों के माध्यम से सीधे पाकिस्तानी नंबरों पर साझा करते हुए पाया गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान करकला के सहायक पुलिस अधीक्षक हर्ष प्रियंवदा के नेतृत्व में चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में जानकारी लीक होने की पुष्टि हुई है, जिससे भारत के समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए संभावित खतरों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: 38 UBL 2025-26 दिनांक: 13.11.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

SL	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: हुबली (यूबीएल) रेलवे स्टेशन पर मेकानाईज़्ड लॉंड्री का सदृढीकरण।	रु. 2,51,18,618/-
2	हुबली विभाग: उप कार्य-1: हुबली, बाडा विनोबानगर पर खुली ड्रैन का उन्नयन। उप कार्य-2: हुबली, रेल नगर कालोनी पर कांपाउंड दिवार का सुधार कार्य (शेष कार्य)। उप कार्य-3: हुबली, गदग रोड पर नई सहायक विभागीय इंजीनियर कार्यालय का प्रस्तावित निर्माण कार्य। उप कार्य-4: हुबली, एस व टी स्टोर शेड का प्रस्तावित निर्माण।	रु. 2,29,12,703/-
3	हुबली विभाग: गिनिगेरा स्टेशन पर प्रस्तावित अतिरिक्त लूपलाईन (प्रो.रोड-5) का निर्माण।	रु. 1,43,16,342/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 12.12.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय
PUB/678/AAF/PRB/SWR/2025-26 हुबली
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

उद्घाटन

बेंगलूरु में शुक्रवार को इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट्स डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित 5वें ऑडिट डे-2025 और ऑडिट वीक का उद्घाटन कर्नाटक सरकार की मुख्यसचिव डॉ. शालिनी रजनीश ने किया।

LUCKNOW SMART CITY LIMITED
(CIN:-U74999UP2015SGC085631)
Registered Office: Lucknow Smart City Ltd, B.N. Road, Front of Lalbagh Girls Inter College, Lalbagh, Lucknow.
e-mail: lkosmartcity@gmail.com, www.lucknowsmartcity.com
NIT No. : 507/GM/P/LSCL/Health ATM/25-26 Date : 18.11.2025
REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) SELECTION OF SERVICE PROVIDER FOR OPERATION AND MAINTENANCE OF 90 NOS. OF THE HEALTH ATM'S INSTALLED BY LSCL
Lucknow Smart City Limited invites online proposal from reputed firms for "Operation and Maintenance of 90 NOS. of the Health ATM'S installed by LSCL under Smart City Mission".
Tender document with all other details can be downloaded from www.etender.up.nic.in from 19th November 2025.
The last date for submission of proposal is 17th December 2025 till 1500 hrs. Tender Proposal will be opened on 17th December 2025 at 1630 hrs.
For all further corrigendum/addendums in this regard, please regularly visit www.etender.up.nic.in
General Manager (Project)

छात्रा आत्महत्या: पीड़िता ने अपने आखिरी समय में पांच बार शिक्षक से मदद मांगी थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जयपुर के एक स्कूल आत्महत्या करने वाली चौथी कक्षा की छात्रा को उसकी कक्षा में 18 महीने से ज्यादा समय तक परेशान किया गया तथा सहपाठी उसके खिलाफ बुरे शब्द इस्तेमाल करते थे जबकि स्कूल अच्छा माहौल बनाए रखने में नाकाम रहा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने इस महीने की शुरुआत में स्कूल की इमारत से कूदकर जान देने वाली नौ वर्षीय लड़की की मौत की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट मिलने पर यह नोटिस जारी किया।

इस बीच, राजस्थान पुलिस ने कहा है कि घटना के आपराधिक पक्ष की जांच जारी है। जांच समिति ने स्कूल की तरफ से कई कमियों की ओर इशारा किया, जिसमें लड़की को लगातार परेशान किये जाने की ओर ध्यान दिलाया गया, और बताया गया कि उसके माता-पिता ने सबसे पहले जुलाई 2024 में शिक्षकों के सामने यह मुद्दा उठाया था। समिति ने पाया कि कक्षा अध्यापक ने बच्ची की दिक्कतों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की, तब भी जब लड़की

अपनी जिंदगी के आखिरी 45 मिनट में पांच बार शिक्षक के पास मदद मांगने गई।

कक्षा चार की बच्ची ने एक नवंबर को स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सीबीएसई की दो सदस्यीय समिति ने अगले दिन स्कूल का मुआयना किया था और बच्ची के अभिभावकों से बातचीत की थी। बोर्ड ने कारण बताओ नोटिस में कहा, समिति को दिए गए माता-पिता के बयानों के मुताबिक, यह साफ है कि स्कूल ने सहपाठियों द्वारा परेशान किए जाने और चिढ़ाए जाने की बार-बार की शिकायतों पर कोई सक्रिय कार्रवाई नहीं की। कक्षा अध्यापक और स्कूल प्रबंधन को बच्ची को प्रताड़ित किए जाने के बारे में अच्छी तरह पता था।

बोर्ड ने कहा कि माता-पिता की कक्षा अध्यापक और स्कूल प्रबंधन से की गई बातचीत और संदेश को अनसुना कर दिया गया। नोटिस में कहा गया कि कक्षा अध्यापक ने अपने लिखित बयान में माना है कि मृतक छात्रा ने उन्हें बताया था कि उसके सहपाठी उसके लिए बुरे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दूसरे छात्रों ने आरोपों से इनकार किया। हालांकि, दूसरे बच्चों ने पहले भी शिक्षक से कक्षा में छात्रों के बीच लगातार बुरे शब्दों के इस्तेमाल की शिकायत की थी।

जयपुर के मानसरोवर इलाके में स्थित नीरजा मोदी स्कूल जयपुर के प्रतिष्ठित स्कूलों में से एक है। मानसरोवर थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाधिकारी लखन खटाना ने शुक्रवार को कहा कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा, पुलिस इस घटना के आपराधिक पक्ष की जांच कर रही है। अभी अनुसंधान जारी है।

उद्योगपति की बेटी की शादी के लिए उदयपुर में जुटेंगी दुनियाभर की कई प्रमुख हस्तियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में अमेरिका के दिग्गज उद्योगपति राजू रामलिंगा मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी होने वाली है जिसमें दुनियाभर की प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार शादी में हॉलीवुड और बॉलीवुड की हस्तियों के अलावा राजनीति तथा उद्योग जगत के दिग्गज भी शामिल होंगे। इस शादी की तैयारियों से जुड़े व स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय मूल के वामसी गडिराजू और नेत्रा मंटेना ने अपने विवाह समारोह के लिए 'झीलों के शहर' उदयपुर को चुना है। विवाह समारोह के कार्यक्रम 21 नवंबर से 24 नवंबर तक चलेंगे। ये कार्यक्रम विख्यात उदयपुर सिटी पैलेस के माणक चौक तथा जनाना महल के साथ-साथ जगमंदिर और द लीला पैलेस होटल में होने हैं।

इस शादी में शामिल होने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के भी 21 नवंबर को सपरिवार उदयपुर पहुंचने की उम्मीद है और वह चार दिन यहां रुकेंगे। ट्रंप जूनियर ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल और गुजरात के जामनगर में वन्यजीव संरक्षण सेंटर 'वंतारा' का दौरा किया। एक स्थानीय नागरिक के अनुसार समारोह में संगीत की दुनिया में जाना पहचाना नाम जेनिफर लोपेज और दक्षिण अफ्रीका के डीजे-प्रोड्यूसर ब्लैक कॉफी भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। 'डच डीजे-प्रोड्यूसर टिएस्टो' ने बृहस्पतिवार रात 'द लीला पैलेस' में प्रस्तुति दी। पारंपरिक राजस्थानी नृत्य समूह और मांगणियार कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी। इस शादी के लिए 'द लीला पैलेस' होटल को मेहमानों के स्वागत के लिए शानदार लाल 'थीम' पर सजाया गया है। मेहराबों से पुष्प गुच्छ लटके हुए हैं और इसे शाही दरबार जैसा रूप देने के लिए बड़े-बड़े झूमर लगाए गए हैं। बैठने की जगह पर खूबसूरत 'कुशन' और सुनहरे लैंप वाले लाल सोफे हैं। दूसरी जगहों को भी शानदार ढंग से सजाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार 600 मेहमानों में ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और रणबीर कपूर समेत कई बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल हैं।

नेत्रा मंटेना अमेरिका के दवा क्षेत्र के दिग्गज उद्योगपति राजू रामलिंगा मंटेना और पद्मा मंटेना की बेटी हैं। वह वामसी गडिराजू के साथ परिणय सूत्र में बंधेंगी जो मूल रूप से दक्षिण भारत के हैं और कई वर्षों से अमेरिका में बसे हुए हैं। विवाह समारोह में कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सिटी पैलेस के जनाना महल में 21 नवंबर को 'म्यूजिक नाइट' होगी। हल्दी की रस्म 22 नवंबर को होगी और इसके बाद 23 नवंबर की सुबह जगमंदिर में विवाह समारोह होगा और उसी शाम प्रीतिभोज होगा।

एसआईआर मतदाता सूची जांच निष्पक्ष चुनावों की दिशा में बड़ा कदम : सतीश पुनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। चुनाव सुधारों पर बोलते हुए उन्होंने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया ने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची का गहन परीक्षण लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपक्रम है। उन्होंने कहा कि टी.एन. सेशन के समय से चुनाव आयोग ने कई सुधार किए, लेकिन मतदाता सूची में डुप्लीकेसी और फर्जी नाम हमेशा से बड़ी चुनौती रहे हैं। पुनिया ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध घुसपैठियों द्वारा पहचान पत्र बनाकर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की घटनाएँ सामने आती रही हैं। देश के भीतर भी कई स्थानों पर एक व्यक्ति के दोदो, तीनतीन नाम दर्ज पाए गए, जिससे चुनाव की पारदर्शिता सवालों के घेरे में रही। पुनिया ने स्पष्ट किया कि एसआईआर प्रक्रिया किसी राजनीतिक दल या समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि चुनाव सुधार का निष्पक्ष चरण है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में 60 लाख फर्जी मतदाता चिन्हित किए गए। अब ऑर्गेनिक मतदाता सूची के तहत प्रत्येक नागरिक का नाम केवल एक ही जगह रहेगा, जिससे फर्जी मतदान पूरी तरह रुकेगा।

विपक्ष की आलोचनाओं पर पुनिया ने कहा कि राहुल गांधी और विरोधी दल इस प्रक्रिया से इसलिए असहज हैं क्योंकि इससे

फर्जी वोटिंग समाप्त होगी और वही वास्तविक नागरिक मतदान कर पाएगा। वोट चोरी पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए पुनिया ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा किकांग्रेस से बड़ा चोर कोई नहीं। जमीन से लेकर आसमान तक भ्रष्टाचार के आरोप कांग्रेस पर लगे हैं। पुनिया ने कहा कि बिहार चुनाव में जनता ने वोट के जरिए कांग्रेस को जवाब दिया। राहुल गांधी को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि वे आरोपप्रत्यारोप छोड़कर जमीनी राजनीति पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी कांग्रेस का फर्जी मुद्दों पर आधारित आरोप किसी भी स्तर पर जनता का समर्थन नहीं पा पाएगा।

सरस्वती नदी पर वैज्ञानिक आधार पर कार्य की जरूरतपूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया ने सरस्वती धरोहर संरक्षण मंत्री से उनकी विस्तृत चर्चा हुई है। पुनिया ने कहा कि वे यह जानने को उत्सुक हैं कि क्या सरस्वती का जल गंगा से लेकर लूणी नदी तक जोड़ा जा सकता है, जिससे हरियाणा और राजस्थानदोनों के किसानों को लाभ मिल सके।इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें जिला देहात अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी,रंजीत कड़वासरा, पुखराज गोड, अयूब पठान, धनाराम थोरी, प्रताप सिंह भेड़, युवा जिला देहात उपाध्यक्ष पृथ्वी खोखर पूर्व जोधपुर जिला अध्यक्ष देहात जगराम बिश्नोई सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का जोधपुर दौरा, एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया अपने एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे, बताया जा रहा है पुनिया विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। एयरपोर्ट पर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने साफा पहनाकर और मालाएं और पुष्प गुच्छ देकर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रमों के अनुसार, पूनिया एयरपोर्ट से सीधे भाजपा कार्यकर्ता दिनेश चौधरी के निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने उनके परिवार में मातृ शोक पर संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद वे सर्किट हाउस पहुंचेंगे और फिर अशोक बाहेती के यहां आयोजित पारिवारिक शोक सभा में सम्मिलित होंगे । पूनिया ने जयंत सांखला की पुत्री के विवाह समारोह में भी भाग लेंगे। इसके बाद वे संदीप काबरा की बेटी के विवाह समारोह में शामिल होंगे। शाम को वे सांचौर के लिए प्रस्थान कर गए।

मत्स्य राज्य मंत्री ने मत्स्य विभाग के नवीन ई- ऑक्शन पोर्टल एवं आईईसी सामग्री का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मत्स्य एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सचिवालय में मत्स्य विभाग द्वारा एन.ई.एम.एल. के माध्यम से विकसित कराये गये नवीन ई-ऑक्शन पोर्टल एवं लाईसेंस मैनेजमेंट सिस्टम तथा विभाग द्वारा तैयार कराई गई प्रचार सामग्री का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि अब मत्स्य विभाग के काम भी ऑनलाइन किए जाएंगे। इसके लिए विभाग के अधिकारी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस काम को अंजाम दिया। बेढम ने कहा कि अब ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से मत्स्य ठेके की बोली लगाने, ठेका राशि जमा कराने, अनुज्ञापत्र जारी करने इत्यादि कार्य विभाग की देख रेख में ऑनलाईन संपादित होगें। शुरुआत में विभाग के ठेके से शेष ''क'' एवं ''ख'' श्रेणी के जलाशयों के ठेके की कार्यवाही ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से की जावेगी। आगामी वर्ष से विभाग के ''ग'' एवं ''घ'' श्रेणी जलाशयों के मत्स्य ठेके की कार्यवाही भी इसी पोर्टल के माध्यम से सम्पादित किए जाने की योजना है। इस अवसर पर शासन सचिव मत्स्य एवं पशुपालन विभाग डॉ समित शर्मा ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से सम्पूर्ण ठेका प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं निर्धारित समयानुसार की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त ठेका प्रक्रिया में लगने वाले समय की भी बचत होगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में ठेके से शेष रहे ''क'' एवं ''ख'' श्रेणी जलाशयों का श्रेणीवार एवं जिलेवार विवरण, इनकी आरक्षित दरे एवं निविदा संबंधी दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किये जा चुके हैं। ठेका प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व इच्छुक बोलीदाताओं का पोर्टल पर पंजीकरण किया जा रहा है।

इस अवसर पर बेढम ने विभाग द्वारा संचालित भारत सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के पैम्फलेट, पोस्टर, बुकलेट इत्यादि का भी लोकार्पण किया। इन सभी प्रचार सामग्री का वितरण राज्य के समस्त विभागीय कार्यालयों को किया जायेगा जिससे आमजन इन योजनाओं की जानकारी लेकर लाभान्वित हो सकेंगे।

प्रचार सामग्री में खारे पानी में झींगा पालन, केज कल्चर, आर.ए.एस. एवं बायोफ्लॉक तकनीक की जानकारी एवं मत्स्य पालन से संबंधित सामान्य ज्ञान बुकलेट भी तैयार कराई गई है। लोकार्पण कार्यक्रम में मत्स्य विभाग की निदेशक संचिता बिश्नोई, विशिष्ट सचिव, डी.सी. मीणा, विभाग के संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, वरिष्ठ लेखाधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में बेढम ने उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विश्व मत्स्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि की कामना की।

सहकारी समितियों को बनाया जा रहा आर्थिक रूप से सुदृढ़ प्रतिस्पर्धी : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियां बाजार की मांग के अनुरूप व्यावसायिक गतिविधियां आरम्भ कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं प्रतिस्पर्धी बनें, इसके लिए सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत सहकारिता विभाग द्वारा विभिन्न नवाचारों और गतिविधियों के माध्यम से सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त बनाया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर के वैशाली नगर में शुरू किया गया 'जना:-उपहार सुपर मार्केट' एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।

दक ने शुक्रवार को जयपुर के वैशाली नगर में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) एवं भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) द्वारा ज्वाइंट वेंचर के अंतर्गत शुरू किये गए 'जना:-उपहार सुपर मार्केट' का उद्घाटन किया। उन्होंने सुपर मार्केट का अवलोकन कर उत्पादों की जानकारी ली।

दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्था एनसीसीएफ एवं राज्य स्तर की सहकारी संस्था कॉनफेड के माध्यम से शुरू किये गए इस सुपर मार्केट में विशेष रूप से 'जना:' ब्राण्ड के ऑर्गेनिक उत्पाद एवं 'उपहार' ब्राण्ड के सुप्रसिद्ध मसाले व मिलेट उत्पाद स्टोर पर उपलब्ध करवाये गए हैं। आमजन को एक ही स्थान पर ये गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उचित दर पर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों की इस पहल से किसानों को उनकी उपज के उचित दाम मिलेंगे साथ ही उनके उत्पादों के विक्रय के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर से लेकर ग्रामीण स्तर तक की सहकारी समितियों को वर्तमान समय से अनुरूप नवीन गतिविधियां प्रारम्भ कर आर्थिक समृद्ध बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा तथा राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप सहकारी संस्थाओं-समितियों द्वारा मिलेट आउटलेट्स खोले जाने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 201 मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं। यह निर्धारित लक्ष्य से लगभग 6 गुना अधिक है। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) एवं कॉनफेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती शिल्पी पांडे एवं एनसीसीएफ की स्टेट हैड मधु शर्मा सहित सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय खोलने के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य के विभिन्न जिलों में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय खोलने के लिए निजी क्षेत्र की संस्थाओं से राजएनओसी पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को इस पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु निजी क्षेत्र की संस्थायें, जो प्रदेश में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय की स्थापना करना चाहती हैं, वे राज्य सरकार से इस सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र आवश्यकता प्रमाण पत्र जारी करवाने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राज एनओसी पोर्टल की वेबसाईट https://rajnoc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से दिनांक 21.11.2025 को प्रातः 10 बजे से दिनांक 28.11.2025 को सांय 5ण्00 बजे तक ऑन लाईन आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस कदम से प्रदेश में पशु चिकित्सकों और अन्य तकनीकी कार्मिकों की कमी को आने वाले समय में पूरा करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विभाग के निदेशक डॉ. आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ. विकास शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में इस विभाग की समसंख्यक विज्ञप्ति दिनांक 04.04.2025 के क्रम में राजएनओसी पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत करने वाले संस्थान भी अपने ऑन लाईन आवेदन में राज्य सरकार द्वारा गठित आवेदन स्क्रूटनी समितियों द्वारा परीक्षण उपरान्त दर्शायी गई त्रुटियों का अवलोकन कर तदनुरूप आवश्यक संशोधन इस अवधि के दौरान कर सकते हैं।

बीकानेर में आयोजित होगी पहली 'वेदांता टूर डी थार' अंतर्राष्ट्रीय साइकिल रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर बीकानेर में पहली बार 100 और 200 किमी लंबी 'वेदांता टूर डी थार' अंतर्राष्ट्रीय साइकिल रैली का आयोजन 23 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे से होगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इससे जुड़ी जानकारी दी। मेघवाल ने बताया कि वर्तमान समय में फ्रांस में 'टूर डी फ्रांस' के साइक्लिंग का अंतराष्ट्रीय इवेंट होता है। इसी तर्ज पर बीकानेर में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर की साइकिल रैली 'वेदांता टूर डी थार' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सांसद खेल महोत्सव-2025' के निर्देशानुसार युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडिया के सहयोग व साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इसकी शुरूआत प्रातः 8.15 बजे भारतमाला एक्सप्रेस वे पर यह होगी। यह नौरंगदेसर से देसलसर तक 50 किलोमीटर की दूरी में आयोजित की जाएगी। रैली के दौरान भारतमाला की एक साइड की 50 किमी की दूरी को पूरी तरह से ट्रैफिक फ्री रखा जाएगा। मेघवाल ने बताया कि ग्लोबल हैप्पीनेस फाउंडेशन की ओर से प्रायोजित इस साइकिल रैली में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ साथ फ्रांस व जर्मनी के साइक्लिस्ट हिस्सा लेंगे। यह पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन नक्शे पर बीकानेर को नई पहचान दिलाएगी। इससे फिट इंडिया का संदेश जाएगा। साइक्लिंग को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि रैली में फ्रांस, स्विटजरलैंड और सिंगापुर समेत देश के विभिन्न राज्यों के 750 से अधिक साइकिल धावक भागीदारी निभाएंगे। इसमें बीकानेर जिले के भी लगभग 250 साइक्लिस्ट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से किया गया। हिस्सा लेने वालों में 662 पुरुष और 124 महिलाएं हैं। जिनमें 16 वर्ष से लेकर 69 वर्ष आयु तक के प्रतिभागी शामिल हैं। मेघवाल ने बताया यह साइकिल रैली 100 और 200 किलोमीटर की श्रेणियों में होगी। दोनों ही रैली में आयु वर्ग और ओपन कैटेगरी रखी गई है। आयु वर्ग में पुरुष और महिला दोनों के लिए 16-30 वर्ष, 31-45 वर्ष और 45 वर्ष से ज्यादा तीन श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। वहीं ओपन कैटेगरी में किसी भी उम्र का कोई भी धावक हिस्सा ले सकेगा। प्रत्येक कैटेगरी में प्रथम तीन को पुरस्कार प्रदान किया जाएंगे। मेघवाल ने बताया कि प्रोफेशनल एलिट वर्ग में टॉप 10 प्रतिभागियों को महिला एवं पुरुष वर्ग में पुरस्कृत किया जाएगा। मेघवाल ने बताया कि रैली में कुल 27 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रोफेशनल इलीट वर्ग में टॉप 10 पुरस्कार में क्रमशः सवा लाख, 90 हजार, 75 हजार, 60 हजार, 50 हजार, 40 हजार, 35 हजार, 30 हजार, 20 हजार, 15 हजार के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मेघवाल ने बताया कि 100 किलोमीटर सोलो एमेच्योर ग्रुप पुरस्कारों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वालों को क्रमशः 70 हजार, 55 हजार और 45 हजार का पुरस्कार व विभिन्न आयुवर्गों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 40 हजार, 30 हजार और 25 हजार के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उत्कृष्टता की ओर राजस्थान पुलिस का रोडमैप बनेगा राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में शुक्रवार का दिन पुलिसिंग की दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण रहा। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में 'उत्कृष्टता के साथ पुलिसिंग-आगे की राह' विषय पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया गया। आज इस सम्मेलन से ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड पर राजस्थान के 600 पुलिस अधिकारी जुड़े और आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरे दिन तकनीकी नवाचारों, सामाजिक

सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर मंथन किया। राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025 के उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि अनिल पालीवाल महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण एवं यातायात रहे । सत्र के प्रारम्भ में महानिदेशक/महानिरीक्षक पुलिस, सम्मेलन की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि व उसके मुख्य मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात संजीव कुमार नार्जारी, निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा सम्मेलन का परिचय व अतिथियों का स्वागत कर उदबोधित किया।

गोविन्द गुप्ता, महानिदेशक पुलिस एसीबी ने अपने उदबोधन में कहा कि पुलिस के प्रत्येक व्यक्ति को बदलते परिपेक्ष्य के अनुसार दक्ष होने की आवश्यकता है और पुलिस नवाचारों हेतु सदैव कार्य करे व कुशलता बढाये। आज पुलिस में डाटा बेस कन्फर्मेशन की सख्त आवश्यकता है।

राजस्थान में हेबी रेयर अर्थ एलिमेंट के भण्डार

जयपुर। ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीशन के प्रतिनिधियों ने मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में राजस्थान में कार्य करने में रुचि दिखाई है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त से शुक्रवार को सचिवालय में ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीशन के गुजरात-राजस्थान के डिप्टी हाईकमीश्नर स्टिफेन हिकलिंग, वरिष्ठ सलाहकार अहमदाबाद श्रीमती मोमिता भट्टाचार्य, वरिष्ठ ट्रेड सलाहकार अनूप नारायण और श्रीमती ब्रह्मदथा माया ने मुलाकात कर राजस्थान की खनिज संपदा और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। ब्रिटिश डिप्टी हाईकमीश्नर के चारों सदस्यों ने खासतौर से राजस्थान में क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के खोज खनन पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि डिप्टी हाईकमीशन इस समय गुजरात और ओडिसा में वहां की उपक्रमों के कोलोब्रेशन में काम कर रहा है। राजस्थान में खनन क्षेत्र में विपुल संभावनाओं को देखते हुए ब्रिटिश डिप्टी कमीशन राजस्थान में भी कोलोब्रेशन के साथ काम करने की संभावना तलाश रहा है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने कहा कि राजस्थान में विविध प्रकार के खनिजों के विपुल भण्डार है। राजस्थान के सिवाना रिंग क्षेत्र में हेबी रेयर अर्थ एलिमेंट के डिपोजिट मिले हैं तो ग्रेफाइट, यूरेनियम, पोटाश आदि आदि क्रिटिकल मिनरल उपलब्ध है।

उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर 'लालची' नहीं दिखना चाहता : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि वह बिहार के उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर लालची नहीं दिखना चाहते और राज्य की नई सरकार में लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के दो विधायकों को मंत्री बनाए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

पटना में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चिराग ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी के रूप में वह बिहार से बाहर भी पार्टी का विस्तार करना चाहते हैं और पश्चिम बंगाल, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में संगठन को मजबूत करने की योजना पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। हाजीपुर से सांसद ने कहा, मैं उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर लालची नहीं दिखना चाहता।

पार्टी के विस्तार को लेकर उन्होंने कहा, बिहार विधानसभा चुनाव में 19 सीट जीतने के बाद अब हम पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब में पार्टी का आधार बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। इन राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव हम राजग के सहयोगी के रूप में लड़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2009, पार्टी के लिए सबसे कठिन समय था, लेकिन 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लोजपा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने मजबूत उपस्थिति दर्ज की। चिराग ने कहा कि वह पिता (दिवंगत राम विलास पासवान) के निधन के बाद भी अकेले चुनाव लड़ने के फैसले पर अडिग रहे। इससे पहले, उन्होंने घोषणा की कि 28 नवंबर को पार्टी का स्थापना दिवस पटना में भव्य रूप से मनाया जाएगा और जनवरी में 'ख़रमास' समाप्त होने के बाद पार्टी पूरे बिहार में यात्रा शुरू करेगी, जिसमें राज्य की छोटी-छोटी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चिराग ने कहा कि दलित सेना का पुनर्गठन किया जाएगा और इसकी जिम्मेदारी अरुण भारती को सौंपी गई है। लोजपा (रामविलास) ने हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक के रूप में 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से 19 पर जीत हासिल की है।

आरएसएस प्रमुख ने इंफाल में जनजातीय नेताओं के साथ बैठक में सामाजिक एकता का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को इंफाल में जनजातीय नेताओं के साथ बैठक के दौरान सामाजिक एकता का आह्वान किया और दोहराया कि उनका संगठन ''समाज को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है।''

मणिपुर के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी के खिलाफ नहीं है; इसका गठन समाज को नष्ट करने के लिए नहीं, बल्कि समाज को समृद्ध करने के लिए किया गया है।'' उन्होंने कहा कि संघ न तो राजनीति करता है और न ही किसी संगठन को 'रिमोट कंट्रोल' से चलाता है, तथा यह केवल मित्रता, स्नेह और सामाजिक सद्भाव के माध्यम से काम करता है।

भारत की सभ्यतागत निरंतरता पर जोर देते हुए भागवत ने कहा, ''हम अपनी साझा चेतना के कारण एकजुट हैं। अपनी सुंदर विविधता के बावजूद, हम एक सभ्यतागत परिवार के सदस्य हैं। एकता के लिए एकरूपता की आवश्यकता नहीं होती।''

भागवत ने समाज को एकजुट करने के लिए आरएसएस संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार के प्रयासों को याद करते हुए कहा कि संघ की स्थापना बाहरी ताकतों की प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि आंतरिक फूट को दूर करने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, ''आरएसएस एक व्यक्ति-निर्माण और चरित्र-निर्माण आंदोलन है।''

भागवत ने हर किसी से शाखाओं में जाने के लिए कहा ताकि वे समझ सकें कि संघ जमीनी स्तर पर कैसे काम करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता के प्रति समर्पण के साथ समाज की बेहतरी के लिए काम करने वाला कोई भी व्यक्ति पहले से ही अघोषित 'स्वयंसेवक' है।

बिहार में पहली बार वोट खरीदे गए: प्रशांत किशोर का आरोप

बेतिया/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए शुक्रवार को दावा किया कि देश के इतिहास में पहली बार राज्य में वोट खरीदे गए और एक करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए जमा कराए गए।

पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में एक दिन की भूख हड़ताल समाप्त करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में किशोर ने कहा, अगर मैं गलत कह रहा हूं तो बिहार सरकार मुझे जेल भेज दे। राज्य सरकार के पास निधि नहीं थे, इसलिए राज्य के आकस्मिकता निधि से राशि ली गई और विश्व बैंक के अनुदानों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने महिलाओं को दो लाख रुपए देने का वादा किया था। किशोर ने कहा, हम बिहार की महिलाओं को यह रकम दिलवा कर रहेंगे।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए

तिरुपति/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने सबसे पहले श्री वराहस्वामी मंदिर का दौरा किया, उसके बाद तिरुमला मंदिर के महाद्वारम पहुंचीं, जहां तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी. आर. नायडू और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, ''राष्ट्रपति ने अपने परिवार के सदस्यों और अधिकारियों के साथ श्री वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर में पूजा की।'' पुजारियों के साथ राष्ट्रपति महाद्वारम में दाखिल हुईं और ध्वजस्तंभ पर प्रार्थना की। दर्शन करने के दौरान आंध्र प्रदेश के धर्मार्थ विभाग के मंत्री ए रामनारायण रेड्डी और अन्य भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने गर्भगृह के अंदर पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्हें 'शेष वस्त्रम' भेंट किया गया और रंगनायकुला मंडपम में उन्हें वेद आशीर्वचन (वैदिक आशीर्वाद) प्राप्त हुआ। इसके बाद, राष्ट्रपति को तीर्थ प्रसाद , भगवान वेंकटेश्वर की तस्वीर और टीटीडी द्वारा प्रकाशित 2026 के डायरी और कैलेंडर भेंट किए गए।

ममता बनर्जी 'अवैध वोट बैंक' बचाने की कोशिश कर रही हैं : शुभेंदु ने सीईसी को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निर्वाचन आयोग को ''कमजोर'' करने और ''एक अवैध वोट बैंक को बचाने'' की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिसे उनकी पार्टी ने ''वर्षों तक पोषित'' किया। भाजपा नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को पत्र ऐसे समय में लिखा जब इससे कुछ घंटे पहले बृहस्पतिवार को बनर्जी ने निर्वाचन आयोग को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को ''अराजक और बलपूर्वक'' बताया था।

विधानसभा में विपक्ष की नेता ने बृहस्पतिवार देर रात चार पृष्ठों के अपने जवाबी पत्र के साथ पलटवार करते हुए बनर्जी के पत्र को ''भ्रामक, राजनीति से प्रेरित और तथ्यात्मक रूप से विकृत'' बताया।

अधिकारी ने कहा, ''मुख्यमंत्री का पत्र चुनाव अधिकारियों के बीच मतभेद पैदा करने, भारत निर्वाचन आयोग के संवैधानिक जनादेश को बदनाम करने और अयोग्य एवं अवैध तत्वों के वोट बैंक की रक्षा करने का एक सोचा-समझा प्रयास है, जिसे उनकी सरकार ने वर्षों से पोषित किया है।'' अपने आक्रामक लहजे में उन्होंने बनर्जी पर बूथ स्तर के अधिकारियों को ''धमकाने'' और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ ''अस्वीकार्य आक्षेप'' लगाने का आरोप लगाया।

अधिकारी ने कहा, ''राज्य सरकार के मुखिया के इस तरह के आचरण की निंदा की जानी चाहिए।'' अपने पत्र में अधिकारी ने राज्य के वित्त विभाग पर बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और 'डेटा एंट्री ऑपरेटर' के लिए धनराशि और अनुमोदन रोकने का भी आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस ने अभी अधिकारी के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मणिपुर: संगाई महोत्सव को लेकर विरोध प्रदर्शन हिंसक हुआ, सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों में झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले में संगाई महोत्सव का विरोध कर रहे लोगों की सुरक्षा बलों के साथ शुक्रवार को झड़प हो गई। यह झड़प मेइती समूह 'सीओसीओएमआई' की ओर से किए गए 'काम बंद' के आह्वान के बीच हुई।

'कोऑर्डिनेटिंग कमिटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' (सीओसीओएमआई) राज्य सरकार के पर्यटन महोत्सव का विरोध कर रही है। उसका कहना है कि जातीय हिंसा से बेघर हुए परिवारों के सामने आ रहे संकट के बीच ऐसा कार्यक्रम आयोजित करना 'बहुत ही असंवेदनशील' कदम है। एक अधिकारी ने बताया कि यह झड़प खुरई लामलोंग में तब हुई जब सुरक्षा बलों ने उत्सव स्थल की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों को रोका, जिनमें कई बेघर लोग भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके, जिससे उन्हें कई चक्र में आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि झड़प की वजह से उनमें से कुछ को मामूली चोटें आईं। 'काम बंद', जो असल में एक तरह से बंद था, का इंफाल घाटी के जिलों में आम जिंदगी पर असर पड़ा और सुबह से ही बाजार और दूसरे व्यावसायिक स्थल बंद रहे।

वाराणसी में दाल मंडी चौड़ीकरण अभियान पर तत्काल रोक लगाये सरकार: अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाराणसी के ऐतिहासिक दालमंडी क्षेत्र की तोड़-फोड़ को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा विरोधियों को कमजोर करने का एक राजनीतिक विध्वंस करार देते हुए शुक्रवार को मांग की कि इस कार्रवाई को तत्काल रोका जाए। लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में यादव ने चंदौली और वाराणसी के पार्टी नेताओं तथा दालमंडी के व्यापारियों की मौजूदगी में कहा कि सरकार का विरासत संवर्धन का दावा भ्रामक है और चौड़ीकरण अभियान का उद्देश्य उस बाजार को निशाना बनाना है जो भाजपा को वोट नहीं देता।

यादव ने आरोप लगाया, यह कोई विरासत योजना नहीं है... यह एक राजनीतिक विध्वंस है। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे उस क्षेत्र से नहीं जीत सकते। वे लोगों को डराना चाहते हैं, समुदायों को बांटना चाहते हैं और व्यापारियों को चुप कराने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कई व्यापारी पीढ़ियों से छोटी-छोटी दुकानें संचालित कर रहे हैं और अब उन्हें अपनी आजीविका पूरी तरह से छिन जाने का डर है। यादव ने बताया कि दाल मंडी में कई व्यवसाय दशकों पुराने हैं, कुछ तो उन संस्थाओं से भी पुराने हैं जो अब भवन मानचित्र स्वीकृत करती हैं। यादव ने कहा कि दुनियाभर के प्रमुख पर्यटन शहरों की तरह सांस्कृतिक बाजारों को संरक्षित करने के बजाय उत्तर प्रदेश सरकार उन्हें नष्ट कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कई देशों में संकरी हेरिटेज गलियों को भी संरक्षित किया जाता है, ध्वस्त नहीं किया जाता। यहां व्यापारियों को उनके ग्राहकों या आजीविका की सुरक्षा के लिए कोई विकल्प दिए बिना ही उजाड़ा जा रहा है।

नेहरू का लेखन सिर्फ इतिहास नहीं, भारत की चेतना का अभिलेख हैं: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के एक डिजिटल अभिलेखागार का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को कहा कि नेहरू का लेखन सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि भारत की विकसित होती चेतना का अभिलेख है।

'जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड' (जेएनएमएफ) ने नेहरू से संबंधित लगभग 35,000 दस्तावेज और 3000 चित्रों को समेटकर एक बड़ा 'ऑनलाइन अभिलेखागार' तैयार किया है। जेएनएमएफ का कहना है कि 'नेहरू आर्काइव डॉट इन' पर नेहरू के संबंध में 1920 से 1960 के दशक तक के कई पहलुओं को समेटा गया है तथा इस पर कोई दस्तावेज मुफ्त में 'सर्च' और 'डॉउनलोड' किया जा सकता है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नेहरू का लेखन सिर्फ इतिहास नहीं है, वे भारत की विकसित होती चेतना का अभिलेख हैं। हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनके शब्द एक शक्तिशाली दिशा सूचक यंत्र बने हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, 'सर्च' करने योग्य और निःशुल्क है। इसका विस्तार होता रहेगा।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस अभिलेखागार का जिक्र करते हुए पोस्ट किया, ''पंडित नेहरू और भारत के लिए उनकी महान उपलब्धियों के बारे में जानबूझकर की गई विकृति, दुष्प्रचार और गलत सूचना के युग में सच्चाई और भावी पीढ़ी के लिए उनके लेखन को डिजिटल बनाना सार्थक है। मुझे खुशी है कि 'द नेहरू आर्काइव' अब लाइव है।''

तृणमूल ने एसआईआर पर टिप्पणी को लेकर शाह की आलोचना की, उन्हें 'अक्षम गृह मंत्री' करार दिया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी की आलोचना की और उन पर पश्चिम बंगाल को निशाना बनाने के लिए ''घुसपैठिया संबंधी बयानबाजी'' करने का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विफल रहा है। पार्टी ने शाह के इस्तीफे की मांग की।

वरिष्ठ मंत्री शशि पांजा ने कहा कि शाह गुजरात गए और घुसपैठियों, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में बात की, लेकिन ''वास्तविकता यह है कि पूरे देश में असुरक्षा की गहरी भावना है।'' उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा कश्मीर में पर्यटकों की हत्या और दिल्ली में विस्फोट से पता चलता है कि ''गृह मंत्री की नेतृत्व में सुरक्षा ढांचा चरमरा रहा है।'' तृणमूल नेता ने कहा, ''अगर सीमाएं सचमुच सुरक्षित होतीं तो ये घटनाएं नहीं होतीं।'' पांजा ने शाह पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और ''बंगाल पर उंगली उठाकर विफलताओं से ध्यान भटकाने'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''जब दिल्ली में चूक होती है, तो भाजपा अपनी पुरानी पटकथा पढ़ती है और बंगाल को दोष देती है।''

बिहार चुनाव प्रधानमंत्री की नीतियों का समर्थन, कांग्रेस की राजनीति की अस्वीकृति है : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की पुष्टि और कांग्रेस की ''नकारात्मक'' राजनीति की अस्वीकृति हैं।

प्रधान ने यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''मैं विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता के फैसले के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को पूरी मान्यता दी है।'' राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में 202 सीट जीतकर सत्ता में जबरदस्त वापसी की है। प्रधान ने कहा, ''जब तक देश के पूर्वी हिस्से विकसित नहीं हो जाते, भारत की प्रगति की कल्पना करना बेमानी है। दो दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद राजग ने बिहार चुनाव में जीत हासिल की। यह प्रधानमंत्री की शासन-शैली की बड़ी स्वीकृति है।'' कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने ''लोगों और समाज को बांटने वाली विपक्षी पार्टी की नकारात्मक नीतियों को नकार दिया है।'' केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, ''ओडिशा के नुआपाड़ा उपचुनाव में भी लोगों ने भाजपा को वोट दिया। मैं नुआपाड़ा में जीत के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल को भी बधाई देता हूं।'' प्रधान का पुरी जाकर श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने और भद्रक जिले के धामनगर में जाने का भी कार्यक्रम है।

आदिवासियों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने की सुनियोजित साजिश है एसआईआर: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आदिवासियों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने की सुनियोजित साजिश है। पार्टी के आदिवासी विभाग के प्रमुख विक्रांत भूरिया ने यह भी कहा कि आदिवासियों के लिए एक प्रवासन नीति बननी चाहिए। उन्होंने मध्य प्रदेश में सिविल जज परीक्षा-2022 के परिणाम को लेकर भी सवाल खड़े किए और कहा कि एक भी आदिवासी का चयन नहीं किया गया, जो आरक्षण खत्म करने का एक तरीका है। भूरिया ने कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''एसआईआर में की गई जल्दबाजी से आदिवासियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर राज्यों में आदिवासी पलायन पर हैं। हालात ये हैं कि 70 प्रतिशत से ज्यादा गांव खाली पड़े हुए हैं। ये सरकार आदिवासियों को रोजगार नहीं दे पाई।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''एसआईआर की प्रक्रिया जानबूझकर ऐसे समय में की गई, जब आदिवासी घरों में नहीं हैं। ये आदिवासियों को सुनियोजित तरीके से मतदान की प्रक्रिया से बाहर करने की साजिश है।'' उन्होंने मध्य प्रदेश में सिविल जज परीक्षा-2022 का उल्लेख करते हुए कहा, ''मध्य प्रदेश में 2 करोड़ के करीब आदिवासी हैं, लेकिन सिविल जज परीक्षा 2022 का परिणाम दिखाता है कि भाजपा और उसके 'सिस्टम' को एक भी काबिल आदिवासी नहीं मिला।''

एकमात्र मैच में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं, लेकिन मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं: पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं है लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की कड़ी चुनौतियों के के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। इस मैच से पहले नियमित कप्तान शुभमन गिल को चोटिल होने के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था, जिसके बाद पंत को कप्तानी सौंपी गई। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान होंगे।

पंत ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''एक कप्तान के लिए एकमात्र मैच सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का मुझे यह सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। जब भी आप अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तो यह सबसे गर्व का क्षण होता है।'' पंत से जब उनकी कप्तानी शैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नए और पुराने का मिश्रण होगी।

पंत ने कहा, ''मैं पारंपरिक बने रहना चाहता हूं और साथ ही लीक से हटकर भी सोचना चाहता हूं। मैं अच्छा संतुलन बनाना चाहता हूं। हमें चीजों को सरल रखना होगा और जो टीम बेहतर क्रिकेट खेलेगी, वही जीतेगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं ऐसा कप्तान बनना चाहता हूं जो अपने खिलाड़ियों को आजादी दे। मैं चाहता हूं कि खिलाड़ी सीखे और टीम के हित में सही फैसला करें। यही मेरा असली लक्ष्य है। इससे उन्हें मैदान पर मदद मिलेगी।'' पंत ने कहा कि वह अपनी भूमिका के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहते हैं क्योंकि इससे कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा, '' कभी-कभी अगर आप किसी बड़े मौके के बारे में बहुत ज़्यादा सोचते हैं, तो इससे कोई फ़ायदा नहीं होता। मैं ज्यादा सोचना नहीं चाहता। पहला टेस्ट मैच हमारे लिए कठिन था और हमें टेस्ट जीतने के लिए जो भी करना होगा हम वह करेंगे।'' ईडन गार्डन्स में जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका दो मैचों की शृंखला में 1-0 से आगे है, जहां पहली पारी में बल्लेबाजी करते समय गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। पंत ने कहा कि टीम प्रबंधन ने पहले ही मैच के लिए गिल के स्थान पर खेलने वाले खिलाड़ी के बारे में फैसला कर लिया है, लेकिन उन्होंने नाम का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, ''हमने फैसला कर लिया है कि शुभमन की जगह कौन खेलेगा। जो खिलाड़ी खेलेगा उसे इसके बारे में बता दिया गया है।'' पंत ने महत्वपूर्ण मैच के लिए उपलब्ध रहने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए गिल की सराहना की।

उन्होंने कहा, ''शुभमन मैच खेलने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने तब भी लचीलापन दिखाया जब शरीर साथ नहीं दे रहा था और खिलाड़ियों से इसी तरह का रवैया आप देखना चाहते हैं। मैं गिल से रोज़ बात करता हूं। मुझे कल शाम को ही पता चला कि मैं इस मैच में कप्तानी करूंगा।''

पूरा यकीन है कि भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलेगी : आईओए प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा को पूरा यकीन है कि भारत को 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जायेगी । उन्होंने शुक्रवार को कहा ,'' हम कल ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं । मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी । दो तीन दिन इंतजार कर लें ।'' पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी । ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी । अहमदाबाद के अलावा नाइजीरिया का अबुजा मेजबानी की दौड़ में है । राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने भविष्य में मेजबानी की संभावना के लिए नाइजीरिया के साथ काम करने पर भी सहमति जताई जिसमें 2034 खेलों की मेजबानी की संभावित दावेदारी शामिल है । उषा को भारतीय खेलों में आजीवन योगदान के लिए 15वें वैश्विक खेल शिखर सम्मेलन ''फिक्की टर्फ 2025' के दौरान फिक्की आजीवन योगदान पुरस्कार भी दिया गया । उषा ने कहा ,'' मुझे इस पुरस्कार को पाने की बहुत खुशी है । मुझे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार की उम्मीद नहीं थी । भारतीय खेल तभी आगे बढेंगे जब हम मिलकर बढेंगे । देश के कोने कोने में प्रतिभायें हैं लेकिन मौके हर बच्चे तक पहुंचने चाहिए । हम यह मार्ग प्रशस्त करके मजबूत तंत्र बनाना चाहते हैं जिसमें निष्पक्ष चयन हो और विज्ञान, खुराक , मानसिक मजबूती जैसे हर पहलू में मदद मिले ।''

सुविचार

हर किसी को आजादी है, अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीने का, पर आजादी में अपने कर्म को मत भूलना, याद रखना एक गलत काम, आप की आजादी छीन सकता है..!!!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देववाणी है संस्कृत

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने संस्कृत को 'एक मृत भाषा' बताकर इस महान भाषा के योगदान और सांस्कृतिक महत्त्व की उपेक्षा की है। संस्कृत के खिलाफ सदियों से षड्यंत्र हो रहे हैं। इसे एक खास वर्ग की भाषा बताकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। विदेशी आक्रांताओं ने इसे दबाने और मिटाने के लिए खूब चालें चली थीं, लेकिन नाकाम रहे थे। आज भी कुछ लोग यह कहकर संस्कृत को कमतर साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि इस भाषा की कोई उपयोगिता नहीं है। उन्हें लगता है कि वे ऐसा कहकर प्रगतिशील और बड़े बुद्धिजीवी कहलाएंगे! वे विदेशी भाषाओं का गुणगान करते नहीं थकते। जैसे ही संस्कृत का जिक्र होता है, उन्हें सारी बुराइयां इसी में नजर आने लगती हैं। संस्कृत के बारे में गलत बयान वे लोग देते हैं, जिन्हें इसका ज्ञान नहीं है। संस्कृत को देववाणी यूं ही नहीं कहा गया है। इस भाषा ने हमारी संस्कृति को आकार दिया है। जो लोग इसे 'मृत भाषा' कहते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि इसके दो शब्दों– 'वंदे मातरम्' ने हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन में नई ऊर्जा भर दी थी। हजारों क्रांतिकारियों ने इस उद्घोष के साथ बलिदान दिया था। विदेशी आक्रांता जानते थे कि भारत को गुलाम बनाए रखने के लिए इसकी आत्मा पर प्रहार करना होगा, इसलिए उन्होंने संस्कृत पर खूब प्रहार किए थे। उन्होंने इस दुष्प्रचार को हवा दी थी कि इस भाषा में कोरा अंधविश्वास भरा पड़ा है! हिंदी, तमिल, कन्नड़ा, मलयालम, बांग्ला, गुजराती, मराठी ... सभी भाषाएं अच्छी हैं। भारत की सभी भाषाएं सुंदर हैं। क्या किसी भी भाषा को महान बताने के लिए दूसरी भाषा को छोटी या कम महत्त्वपूर्ण बताने की जरूरत है?

संस्कृत की बुराई करने का मतलब है– सभी भाषाओं की बुराई करना। ध्यान रखें, संस्कृत को सभी भाषाओं की मां कहा जाता है। इसकी शब्द रचना, व्याकरण आदि को विदेशी विद्वानों ने सराहा है। दुनिया की अनेक भाषाओं में संस्कृत के शब्द मिलते हैं। उनके कई शब्दों पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। अगर उन भाषाओं से वे शब्द निकाल दिए जाएं तो पीछे क्या बचेगा? संस्कृत ने अन्य भाषाओं को जीवन दिया है। जो लोग यह कहते हैं कि 'संस्कृत सिर्फ विवाह–मंत्र पढ़वाने के काम आती है', उन्हें इसके साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। नाटक, आयुर्वेद, रसायन शास्त्र, संगीत शास्त्र, गणित, खगोल शास्त्र ... संस्कृत ने मानवता की कितनी सेवा की है! अब तो पाकिस्तान में लोग स्वीकार करने लगे हैं कि अगर उनके हुक्मरानों ने चाणक्य का 'अर्थशास्त्र' पढ़कर नीतियां बनाई होतीं तो देश खुशहाल होता। संस्कृत के पीछे इस देश के असंख्य लोगों का तपोबल है। जब यहां मंदिर तोड़े जा रहे थे, पुस्तकालय नष्ट किए जा रहे थे, शिलालेख ध्वस्त किए जा रहे थे, तब भी कई परिवार ऐसे थे, जिन्होंने भिक्षा मांगकर गुजारा किया, लेकिन संस्कृत को मिटने नहीं दिया। वे पीढ़ी–दर–पीढ़ी ग्रंथों को कंठस्थ करते रहे। संस्कृत का संगीत अद्भुत है। कई विदेशी कलाकार संस्कृत में संगीत की प्रस्तुतियां दे रहे हैं। एक ब्रिटिश महिला ने अपना पूरा जीवन ही संस्कृत एवं संगीत को समर्पित कर दिया है। वे संस्कृत के विभिन्न मंत्रों, गीतों, स्तुतियों की बहुत मधुर प्रस्तुति देती हैं। चिंता, अवसाद, बेचैनी, अनिद्रा जैसी समस्याओं से पीड़ित लोगों को उनकी वाणी सुनकर बहुत शांति मिलती है। आज अंग्रेजों की संतानें संस्कृत सीखकर गर्व महसूस कर रही हैं, जबकि कई हिन्दुस्तानियों की संतानें इसे कोस रही हैं। क्या कहेंगे इसे? दुर्भाग्य, अज्ञान या कुछ और? अपनी मातृभाषा पर गर्व करना अच्छी बात है, लेकिन इससे किसी को यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वह अन्य भाषाओं को मृत घोषित करे। नेतागण सद्भाव पैदा करें, विवाद नहीं।

ट्वीटर टॉक

झीलों की नगरी उदयपुर में घूमर महोत्सव 2025 की रंगीन धुनों से नीले आसमान, शांत झीलों और रोशनी से जगमगाते घाटों के बीच महिलाओं की अदाएं, उनकी सहज ताल और परंपरा के प्रति उनके प्रेम ने हर दर्शक का दिल जीत लिया।

–दिया कुमारी

घूमर महोत्सव 2025 के एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने पर सभी राजस्थानवासियों को हार्दिक बधाई! हमारी सरकार विकास के साथ–साथ विरासत को भी संजोने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

–भजनलाल शर्मा

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में सत्य, संघर्ष, धर्म, आस्था और तप की धरती ब्रह्म सरोवर पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित सनातन संस्कृति एवं 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि के तीर्थों की प्रदर्शनी का दर्शन करने का सौभाग्य मिला।

–सतीश पूनिया

प्रेरक प्रसंग

संस्कारों की ताकत

एक बार हाईस्कूल का एक छात्र अपने विद्यालय भ्रमण के दौरान उन स्थलों से रूबरू हुआ, जहां प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी शहीद हुए थे। भावुक और गद्गद छात्र अपने शिक्षक से चर्चा करके, शहीदों की वीरगाथाएं सुनकर और आसपास लगे कुछ पौधों की जानकारी प्राप्त करके शहीद स्थल के चबूतरे की सीढ़ियां उतरता है। फिर अपना जूता पहन लेता है। सामने पार्क की पतली सड़क पर पड़ी सीमेंट की बेंच पर वह बैठ जाता है और फिर से प्रतिमा को देखता है। इस बीच, वह देखता है कि तीन–चार लोग शहीद स्थल की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, उनमें से एक हैटधारी व्यक्ति हाथ में कैमरा पकड़े हुए है, और कुछ लोग सिगार पी रहे हैं। जूते–चप्पल पहने हुए ये लोग प्रतिमा के बिल्कुल पास जाकर खड़े हो जाते हैं। छात्र उनके पास जाता है और कहता है, 'आपको नंगे पैर आना चाहिए था, यह सही नहीं है। पवित्रता के दृष्टिकोण से ही, ऐसे स्थलों पर जूते–चप्पलें पीछे छोड़नी चाहिए।' यह बालक आगे जाकर एक प्रसिद्ध कैमरामैन बना और कुछ समय बाद महान फिल्मकार सत्यजीत रे के नाम से पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हुआ।

सामयिक

भारत में जलवायु संकट : स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना–बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड–लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.4% मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दर्शाते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 25% दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेज़न और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेज़ी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं–जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेज़ी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दर्शाती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के %1 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण–मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

नजरिया

प्री वेडिंग फोटो शूट : यादों का खजाना या मर्यादा का हनन?

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आजकल देशभर में प्री–वेडिंग शूट का एक चलन बढ़ता ही जा रहा है। पिछले कुछ सालों में प्री वेडिंग शूट शादी की फोटो एल्बम बनाने से ज्यादा ज़रुरी बन चुके हैं। प्री वेडिंग देश में एक लक्जरी इंडस्ट्री के रूप में उभर रहा है जो अपने बजट के हिसाब से किसी पार्क, रमणिक स्थल या किसी खूबसूरत स्थान पर ये शूट किए जाने लगे हैं। इसके तहत भावी दूल्हा– दुल्हन अपने परिवारजनो की सहमति से शादी से पूर्व फ़ोटो ग्राफर के साथ देश के अलग–अलग स्थानों पर सैर सपाटा करते हैं, बड़े होटलो, हेरिटेज बिल्डिंगों, समुद्री बीच व अन्य ऐसी जगहों पर जहाँ सामान्यतः पति पत्नी शादी के बाद हनीमून मनाने जाते है, जाकर अलग–अलग और कम से कम परिधानों में एक दूसरे की बाहो में समाते हुए वीडियो शूट करवाते है। विवाह से पहले किया जाने वाला वह फोटो/वीडियो ग्राफी जिसमें होने वाले भावी दंपति अपने विवाह से पहले, एक प्रेमी जोड़े की भांति फोटो और वीडियो शूट करवाते हैं। जिसे वे मुख्य शादी वाले दिन बड़ी स्क्रीन पर एक शॉर्ट फिल्म के रूप में पेश करते हैं और सोशल मीडिया पर भी बड़े ही उत्साह के साथ पोस्ट करते हैं। इसे ही वीडियो शूट की संज्ञा दी जा रही है। इस प्रकार के आयोजन पर हजारों लाखों का खर्चा भी किया जाने लगा है। मीडिया ख़बरों के अनुसार विवाह से पहले इस प्रकार के प्रचलन से समाज में कई प्रकार की समस्याएं उभरने लगी हैं। बहुत से परिवार इस खर्चे को सहन करने की स्थिति में नहीं होते है मगर आपसी दवाब के आगे झुक जाते है। विभिन्न रिपोर्टों में प्री–वेडिंग शूट को निजता का उल्लंघन बताते हुए इसे अनावश्यक खर्च और पारिवारिक तनाव का कारण बताया जाकर लोगों को सावचेत किया जा रहा है। समाज इसे स्टेटस सिंबल के रूप में देखता है, जो मर्यादा को कम करता है। शादी को सादगी और भारतीय परंपराओं के अनुरूप मनाना चाहिए। कुछ जागरूक संगठनों ने प्री–वेडिंग शूट जैसी कुरीतियों को रोकने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि विवाह एक पवित्र बंधन है, जो दो परिवारों और आत्माओं का मिलन है न कि दिखावे का जरिया।

शादी से पहले प्री वेडिंग को लेकर हमारे समाज में तरह तरह की बातें सुनने को मिल रही है। वह भी एक समय था जब विवाह के दौरान फोटो खिंचवाकर उसे एल्बम में संजो कर रखते थे। इस एल्बम का क्रेज कुछ दिनों तक रहता और बाद में कहीं रखकर इसे भुला दिया जाता। समय बदला और अब हम डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके है। कुछ समय पहले तक हम एल्बम के साथ वीडियो बनाकर अपने पास रख लेते थे। इस वीडियो को यदा कदा देख लेते थे। मगर अब हमारा डिजिटलीकरण हो चुका है और इसी के साथ प्री वेडिंग के नाम से एक नई प्रथा शुरू हो गई है। अब जमाना सोशल मीडिया का है। युवा अपनी हर घटना को सोशल मीडिया पर परोसने लगा है तो प्री वेडिंग कैसे पीछे रहता। अब प्री वेडिंग भी सोशल मीडिया पर देखी जाने लगी है। प्री वेडिंग के वीडियो और फोटो देखकर सामान्य परिवारों में काफी हलचल देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे पसंद कर रहे है तो कुछ ना पसंद कर रहे है। यहीं से इसके समर्थन और विरोध में आवाजें बुलंद होने लगी है। कुछ सामाजिक संगठन इसे देश की संस्कृति के खिलाफ बता कर विरोध जता रहे है।

बताया जाता है प्री–वेडिंग शूट एक पाश्चात्य संस्कृति है। जो पिछले कुछ दशक से भारत में भी घर घर जगह बना रही है। प्री–वेडिंग शूट की कहानी भी बड़ी अजब गजब है। कई परिवारों में तनाव का एक कारण भी इसे बताया जा रहा है। शादी के पहले ही भावी दुल्हन और दूल्हा फिल्मी अंदाज में एक–दूसरे के साथ नजर आते हैं। वे स्वयं को एक अभिनेता और अभिनेत्री की भांति दिखाने की हर संभव कोशिश करते हैं। चाहे उन्हें अर्धनग्न वस्त्र ही क्यों ना पहनने पड़े। हालांकि कुछ जोड़ों ने अपने प्री–वेडिंग शूट को नया रूप देने के लिए धार्मिकता से भी जोड़कर बनाया है। यह भी देखा जाता है कि कुछ जोड़े प्री–वेडिंग शूट के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर भी शूट करवाते हैं। ऐसे दो मामलों में उनकी जान भी जा चुकी है। अपनी शादी को यादगार बनाने और उसे कैमरे में कैद कर सार्वजनिक स्थल में परोसने की प्रवृत्ति कहीं न कहीं भारतीय समाज में पारिवारिक रिश्तों को तार तार कर रही है। इस परंपरा को रोकना आवश्यक है ताकि विवाह के नाम पर युवक युवती द्वारा फूहड़ प्रदर्शन का विपरीत असर सभ्य समाज पर न पड़े। कुछेक मामलों में ये उल्टा पड़ जाता है जब किसी वजह से शादी ही टूट जाए, लेकिन आज की जेनरेशन ये रिस्क लेने के लिए तैयार लगती है। भारतीय परपराओं के अनुसार प्री वेडिंग शूट गलत है। विवाह से पहले प्री वेडिंग शूट के बहाने इस प्रकार युवक युवती का मिलना समाज के लिए कतई शोभनीय है।

नजरिया

बिहार की नई सरकार के सामने विकास की नई चुनौतियाँ

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

बिहार के 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिला प्रचंड जनादेश सिर्फ एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि राज्य की सामाजिक–आर्थिक मनोवृत्ति में आते परिवर्तन का संकेत भी है। यह परिणाम बताता है कि जनता ने स्थिरता, विकास और सुशासन के वादे पर विश्वास जताया है। लेकिन सत्ता का यह व्यापक अवसर उतनी ही बड़ी जिम्मेदारियाँ लेकर आता है। बिहार आज ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ उम्मीदों का पहाड़ ऊँचा है और चुनौतियों की घाटियाँ गहरी। विकास का नया अध्याय तभी संभव होगा जब सरकार वादों से आगे बढ़कर उन्हें जमीन पर उतारने की विश्वसनीय रणनीति बनाए।

बिहार एक ऐसा राज्य है जिसकी सांस्कृतिक संपदा और ऐतिहासिक धरोहरें अद्वितीय हैं, लेकिन विकास के सूचकांकों पर उसकी छलाँग अभी अधूरी है। युवाओं की बड़ी मात्रा रोजगार के लिए बाहर जाती है, उद्योगों का आधार कमजोर है, और सामाजिक सुरक्षा ढाँचा अभी भी कई हिस्सों में छिद्रपूर्ण है। फिर भी, इस चुनाव परिणाम ने एक संदेश दिया है कि जनता परिवर्तन चाहती है–ऐसा परिवर्तन जो दिखे, छुए, और उनके जीवन में

वास्तविक सुधार लाए। सरकार के 25 संकल्प इसी परिवर्तन की दिशा में रखी गई एक महत्वाकांक्षी नींव हैं। परंतु संकल्प तभी सार्थक होंगे जब वे ठोस नीति, पारदर्शी प्रशासन और सशक्त क्रियान्वयन से जुड़े हों।

रोजगार का प्रश्न बिहार की राजनीति और सामाजिक चिंताओं का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। यहाँ के युवाओं को अक्सर प्रवासी मजदूर की पहचान लेकर जीना पड़ा है। नई सरकार ने एक करोड़ रोजगार सृजन का दावा किया है, जो उत्साहजनक जरूर है, लेकिन यह वादा सिर्फ घोषणाओं से पूरा नहीं हो सकता। इसके लिए औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और लॉजिस्टिक्स के सुधार की जरूरत होगी। बिहार जैसे राज्य में निजी निवेश आकर्षित करना आसान नहीं, लेकिन असंभव भी नहीं। यदि सरकार उद्योगों के लिए स्थिर नीति, बेहतर कानून–व्यवस्था, और सस्ती भूमि–सुविधाएँ सुनिश्चित करे, तो राज्य में उद्योगों का विस्तार संभव है। कृषि–आधारित उद्योग, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी व स्टार्टअप मॉडल जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी राज्य की प्रगति की आत्मा हैं। मुफ्त शिक्षा, मेडिकल कॉलेजों का विस्तार और आधुनिक स्वास्थ्य ढांचे की घोषणा स्वागतयोग्य है। बिहार में स्वास्थ्य सेवाएँ अभी भी सीमित और असमान रूप से वितरित हैं। यदि सरकार स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करे, डॉक्टरों की संख्या बढ़ाए, और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश करे, तो राज्य की बड़ी आबादी को राहत मिल सकती है। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, डिजिटल सुविधाएँ और कौशल–आधारित पाठ्यक्रम भविष्य के रोजगार परिदृश्य को मजबूत करेंगे।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना बिहार के विकास का अनिवार्य तत्व है। ई–गवर्नेंस, डिजिटल मॉनिटरिंग और पारदर्शी प्रशासन से ही जनता का विश्वास बहाल हो सकता है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्थानों को मजबूत करना और नौकरशाही में जवाबदेही सुनिश्चित करना इस दिशा में अहम होगा। सरकार यदि इस मोर्चे पर सफल होती है, तो उसके बाकी संकल्पों का प्रभाव भी सहज ही दिखाई देगा। जनादेश बड़ा है, इसलिए अपेक्षाएँ भी बड़ी हैं। चुनौती यह नहीं कि सरकार ने कितने वादे किए हैं; चुनौती यह है कि वह कितने वादों को समयबद्ध, पारदर्शी और जनहितकारी तरीके से पूरा कर पाती है। बिहार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले पाँच साल में नीतियाँ कितनी दूरदर्शिता, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ लागू होती हैं। यदि सरकार इन चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता दिखाती है, तो बिहार वाकई में विकास का नया अध्याय लिख सकता है– और एक बार फिर देश को दिखा सकता है कि परिवर्तन इच्छा से नहीं, संकल्प और क्रियान्वयन से आता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सोहेल ख़ान की नई फ़िल्म की शूटिंग होगी हरियाणा की धरती पर

चंडीगढ़/एजेन्सी

हरियाणा एक बार फिर बड़े पर्दे पर चमकने को तैयार है। बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता सोहेल ख़ान अपनी अगली फ़िल्म की शूटिंग व्यापक रूप से हरियाणा की धरती पर करने जा रहे हैं। बीते दिन सोहेल ख़ान के पारिवारिक मित्र व समाजसेवी करण गिल्होत्रा, सोहेल ख़ान स्वयं, और उनकी प्रोडक्शन टीम के प्रमुख सहयोगी विक्रम चोपड़ा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाक़ात कर आगामी प्रोजेक्ट की रूपरेखा साझा की। इस मुलाक़ात के दौरान टीम ने मुख्यमंत्री को फ़िल्म की कहानी, शूटिंग लोकेशन्स और हरियाणा की संस्कृति को सिनेमाई रूप में प्रस्तुत करने की योजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया। बताया जा रहा है कि फ़िल्म के अधिकांश दृश्य हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाक़ों में फिल्माए जाएंगे, ताकि प्रदेश की असल पहचान और सौंदर्य को पर्दे पर उतारा जा सके। टीम ने कहा कि हरियाणा के वातावरण, परिवेश और सरकारी सहयोग ने इस प्रोजेक्ट को यहां शूट करने का निर्णय और अधिक मज़बूत किया है। वार्ता के दौरान सोहेल ख़ान और उनकी टीम ने

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में मिल रहे सकारात्मक माहौल की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रशासन के कार्यकाल में फ़िल्ममेकर्स के लिए खुला और सहयोगपूर्ण वातावरण तैयार हुआ है, जिससे प्रदेश में शूट करने वाली प्रोडक्शन कंपनियों को अत्यंत सुविधा मिल रही है। इस मौके पर करण गिल्होत्रा ने विशेष रूप से सुरक्षा, प्रशासनिक मदद और शूटिंग अनुमतियों में मिल रही आसानी के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी हरियाणा में फ़िल्म उत्पादन को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि प्रदेश न सिर्फ़ किसानों और खिलाड़ियों की भूमि है, बल्कि अब फ़िल्म निर्माण का उभरता केंद्र भी बनने जा रहा है। उन्होंने टीम को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। हरियाणा में होने वाली यह शूटिंग न सिर्फ़ प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगी, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं के लिए भी बड़े अवसर लेकर आएगी।

बधाई

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी चेन्नई में जर्मनी के फेडरल रिपब्लिक के कॉन्सुलेट जनरल माइकल हैस्पर को एक मीटिंग के दौरान बधाई देते हुए।

मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ सगाई की पुष्टि की, मोदी ने शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली/भाषा

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ अपनी सगाई की घोषणा कर दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस आक्रामक बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय टीम की अपनी साथी खिलाड़ियों राधा यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयांका पाटिल और अरुंधति रेड्डी के साथ बॉलीवुड की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गीत 'समझो हो ही गया' पर नृत्य कर रही हैं।

इस दौरान वह मुस्कुराते हुए अपनी सगाई की अंगूठी को भी दिखा रही हैं। जेमिमा ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसे अभी तक 19 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 12,000 से ज़्यादा कमेंट्स मिल चुके हैं। मंधाना और मुछाल 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। प्रधानमंत्री ने दम्पति को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंधाना की कवर ड्राइव की सुंदरता मुछाल की ''मधुर संगीतमय सिम्फनी'' के साथ एक अद्भुत साझेदारी बनाएगी। उन्होंने लिखा, ''जीवन के हर मोड़ पर हाथ में हाथ डालकर चलते हुए, इस जोड़े को एक-दूसरे की मौजूदगी में शक्ति मिले और उनके दिल, दिमाग और आत्मा में सामंजस्य हो। उनके सपने आपस में गुंथें और साथ-साथ बढ़ें तथा उन्हें खुशी और गहरी समझ से भरे भविष्य की की तरफ ले जाएं।''

मोदी ने कहा,''मैं कामना करता हूं कि स्मृति और पलाश विश्वास पर आधारित एक साझा जीवन का निर्माण करें, हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहें, प्यार के साथ जिम्मेदारियों को स्वीकार करें तथा एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्षों के साथ आगे बढ़ें।'' उन्होंने कहा, ''जब वे एक साथ एक नया, सुंदर जीवन शुरू करेंगे तो स्मृति के कवर ड्राइव की सुंदरता पलाश की मधुर संगीतमय सिम्फनी से मिलकर एक अद्भुत साझेदारी बनायेगी ।'' प्रधानमंत्री ने बताया कि विवाह समारोह के एक भाग के रूप में टीम दूल्हा और टीम दुल्हन के बीच एक सेलिब्रेशन क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा, ''जीवन के इस खेल में दोनों टीमें विजयी हों। मैं इस महत्वपूर्ण अवसर पर इस जोड़े को अपनी शुभकामनाएं देता हूं।''

प्रधानमंत्री मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे

जोहानिसबर्ग/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। मोदी गौतेंग स्थित वाटरलूफ वायुसैनिक अड्डे (एएफबी) पहुंचे, जहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य पेश किया। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रमों के लिए जोहानिसबर्ग पहुंच गया हूं। प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विश्व नेताओं के साथ उपयोगी चर्चा की आशा करता हूं। हमारा ध्यान सहयोग को मजबूत करने, विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने पर होगा। यह अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी20 शिखर सम्मेलन है। 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ जी20 का सदस्य बना था। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है। वह भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के त्रिपक्षीय समूह 'आईबीएसए' के छठे शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। मोदी ने जोहानिसबर्ग रवाना होने से पहले सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में कहा, दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करूंगा। यह एक खास शिखर सम्मेलन है, क्योंकि यह अफ्रीका में आयोजित हो रहा है। इसमें विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी। शिखर सम्मेलन के दौरान कई विश्व नेताओं से मुलाकात करूंगा।

उन्होंने लिखा, मैं शिखर सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप भारत का रुख पेश करूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस साल के जी-20 शिखर सम्मेलन का विषय 'एकजुटता, समानता और स्थिरता' है, जिसके जरिये दक्षिण अफ्रीका ने नयी दिल्ली और रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में आयोजित पिछले शिखर सम्मेलनों के परिणामों को आगे बढ़ाया है।

मोदी ने कहा, मैं शिखर सम्मेलन से इतर साझेदार देशों के नेताओं के साथ होने वाली अपनी बातचीत और इस दौरान आयोजित होने वाले छठे आईबीएसए शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी को लेकर उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, यात्रा के दौरान, मैं दक्षिण अफ्रीका में रह रहे भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत को लेकर भी उत्सुक हूं, जो भारत के बाहर सबसे बड़े प्रवासी समूह में से एक है। प्रधानमंत्री के जी-20 शिखर सम्मेलन के तीनों सत्रों को संबोधित करने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन के पहले सत्र का विषय समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे : हमारी अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण, व्यापार की भूमिका, विकास के लिए वित्तपोषण और ऋण का बोझ है।

सामाजिक उत्सव

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रुड़की के जीवनदीप आश्रम में एक धार्मिक और सामाजिक उत्सव के दौरान।

फिल्म '120 बहादुर' का शुक्रवार को राजमंदिर में हुआ फिल्म प्रमोशन

जयपुर/एजेन्सी

फिल्म में फरहान अख्तर की मां का किरदार निभाना एक बेहतरीन अनुभव था, जहां किरदार की बारीकियां और फिल्म की गहराई ने एक्टिंग के नए आयाम सिखाएं। ये कहना था एक्ट्रेस लक्ष्मी सुराणा का, जो अपनी फिल्म '120 बहादुर' के प्रमोशन के दौरान राजमंदिर में मीडिया से रूबरू हुई।

फरहान अख्तर द्वारा निभाएं जाने वाले रियल लाइफ किरदार मेजर शैतान सिंह भाटी की मां के रूप में लक्ष्मी फिल्म में दिखाई देंगी। लक्ष्मी इससे पहले नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रॉयल्स' और फिल्म डाकू महाराज में अपनी उम्दा अदाकारी दिखा चुकी है। फिल्म के बारे में लक्ष्मी ने बताया कि यह फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेज़ांग ला पर लड़ी गई उस वीरगाथा को दर्शाती है, जहां मात्र 120 भारतीय सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में 3000 चीनी सैनिकों का डटकर सामना किया था।

फिल्म में देशभक्ति भाव, संवेदनशीलता और उन 120 बहादुरों की वीर गाथाओं को खूबसूरती से दर्शाया है। अपने अभिनय की शुरुआत के बारे में बताया कि अभिनय की यात्रा आठ साल पहले हुई थी। बचपन से ही अभिनय और नृत्य में काफी रूचि रही। जिसके बाद मैं थिएटर से जुडी और कई जाने-माने नाटकों में काम किया। करीब दो साल पहले ही मैंने स्क्रीन अभिनय की ओर कदम बढ़ाया और सीरीज, फिल्म के साथ ही कई बड़े विज्ञापनों का भी हिस्सा रही। साथ ही राजस्थानी लोक नृत्य में प्रशिक्षण के साथ कई सम्मान प्राप्त किये, विशेष रूप से कालबेलिया में मुझे काफी प्रसंशा हासिल हुई। फिल्म का निर्देशन श्री रज़नीश घई ने किया है, जिन्होंने सेट पर एक बेहद सहज, मैत्रीपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल बनाया, जिससे पूरी टीम के लिए काम का अनुभव यादगार बन गया। फिल्म 21 नवंबर, आज से सभी सिनेमा घरों में रिलीज़ की जा चुकी है।

'दो दीवाने शहर में' फिल्म ने मुझे मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की : सिद्धांत चतुर्वेदी

मुंबई/एजेन्सी

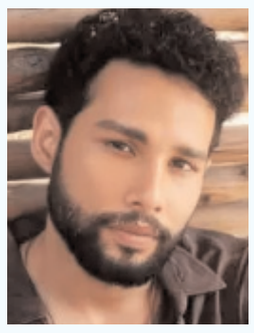

बॉलीवुड में रोमांस और दिल छू लेने वाली कहानियों को हमेशा खास जगह दी जाती है। इस कड़ी में संजय लीला भंसाली का प्रोडक्शन एक ऐसी ही फिल्म लेकर आ रहा है, जिसका नाम है 'दो दीवाने शहर में'। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को रवि उद्यावर डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म के बारे में सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, ''जब मैं 'दो दीवाने शहर में' फिल्म की शूटिंग कर रहा था, उस समय मैं अपने निजी जीवन में कुछ मुश्किल भरे दौर से गुजर रहा था। मेरे लिए यह फिल्म सिर्फ एक काम नहीं थी; यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मुझे क्रिएटिविटी के तौर पर चुनौती दी और व्यक्तिगत रूप से मुझे उन मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की।''

सिद्धांत ने बताया कि फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है और उम्मीद जताई कि शूटिंग के दौरान जो जुड़ाव उन्होंने महसूस किया, वही फिल्म देखने के दौरान दर्शक भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा, ''कहते हैं कि परफेक्ट जैसा कुछ नहीं होता। बस आपको किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो आपके लिए दुनिया से लड़ सके और आप भी उनके लिए हमेशा खड़े रहें।''

फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसे 'दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी' बताया। फिल्म की घोषणा करते हुए भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी... इस वैलेंटाइन डे आपको इश्क से इश्क हो जाएगा। 'दो दीवाने शहर में' 29 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही है।'' संजय लीला भंसाली इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, और उनके साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी इस प्रोजेक्ट में हैं। फिल्म रवि उद्यावर फिल्म्स के सहयोग से बनाई जा रही है।

स्ट्रीट डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कई नकारात्मक प्रभाव सामने आने वाले हैं : सोनाली बेंद्रे

नई दिल्ली/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा और टेलीविजन की दुनिया में कई ऐसे स्टार्स हैं, जो हमेशा से पशु अधिकारों के लिए आवाज उठाते आए हैं। रवीना टंडन और सोनाली बेंद्रे से लेकर रूपाली गांगुली तक स्ट्रीट डॉग्स के लिए आवाज उठाती रही हैं। अब सोनाली बेंद्रे ने आवारा कुत्तों को लेकर दिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के नकारात्मक प्रभाव बताए हैं और डिटेल के साथ एक पोस्ट शेयर किया है। सोनाली बेंद्रे खुद का पॉडकास्ट शो चलाती है, जो पशु अधिकारों और उनकी परवरिश पर बात करता है। इसी पॉडकास्ट शो के साथ एक्ट्रेस ने स्ट्रीट डॉग्स को लेकर पोस्ट शेयर किया है जिसमें लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कई नकारात्मक प्रभाव सामने आने वाले हैं। हमारे पास कुत्तों को रखने के लिए शेल्टर होम नहीं है, इतने सारे कुत्तों को साथ रखने से उनमें बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा और जो लोग कुत्तों से नफरत करते हैं, वे गलत तरीकों से उनके साथ दुर्व्यवहार करेंगे।

पोस्ट में लिखा है कि लोकल लोग स्ट्रीट डॉग्स को खाना देकर अपना प्यार जताते हैं लेकिन शेल्टर में जाने के बाद उनका ध्यान रखना मुश्किल होगा, क्योंकि वहां ये देखने वाला कोई नहीं होगा कि उन्हें खाना खिलाया गया है या नहीं। इस पोस्ट को शेयर कर सोनाली ने लिखा, वे सुरक्षा करते हैं, साथ देते हैं और बदले में कुछ नहीं मांगते। इस तरह का एक भी फ़ैसला हमारे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक रेलवे स्टेशन, पार्क और बाकी सार्वजनिक जगहों से स्ट्रीट डॉग्स को हटाकर शेल्टर होम में रखा जाना है। कोर्ट के फैसले का विरोध करते हुए पशु प्रेमियों ने फैसले के खिलाफ याचिका डाली थी और 7 नवंबर को कोर्ट ने फैसले में किसी भी तरह का बदलाव करने से इनकार कर दिया था। सोनाली बेंद्रे पशु अधिकारों और डॉग्स की पेरेंटिंग पर शो होस्ट करती है, जिसका नाम है द हैप्पी पॉडकास्ट। एक्ट्रेस के शो पर डॉग्स से प्यार करने वाले कई बड़े चेहरों को देखा जा चुका है। इसके अलावा, उन्हें टीवी रियलिटी शो 'पति-पत्नी और पंगा' में देखा गया था।

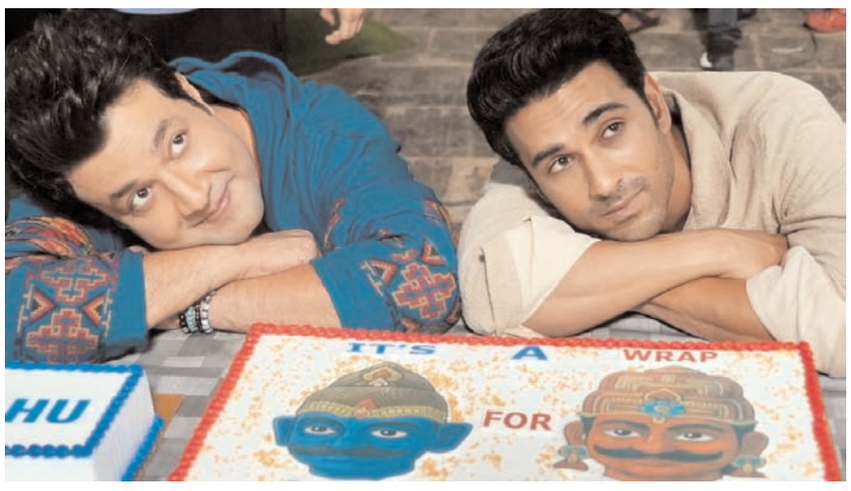

फिल्म 'राहु-केतू' का शानदार टीजर रिलीज

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म 'फुकरे' के एक्टर्स पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की हिट जोड़ी एक बार फिर हंसाने और लोगों को उनके बुरे कर्मों का फल देने के लिए आ रही है। गुरुवार को उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'राहु-केतू' का मजेदार टीजर रिलीज हो गया। टीजर में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा जहां भी जाते हैं, वहां मनहूसियत अपने आप पहुंच जाती है। इसी कारण लोग उन्हें मनहूस बताते हैं। हालांकि टीजर में फिल्म के ट्विस्ट का भी खुलासा कर दिया है कि ये दोनों मनहूस नहीं, बल्कि लोगों को उनके बुरे कर्मों का फल देने के लिए सही समय पर पहुंच जाते हैं। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा पर राहु-केतू की दशा चल रही है और ये दोनों ग्रह मिलकर उनसे उलटे काम करवाते हैं। टीजर बहुत ज्यादा मजेदार है। एक्टर अमित सियाल ने टीजर को शेयर कर लिखा, नए साल में हो जाओ तैयार, क्योंकि बदलेगी आपकी दशा और दिशा जब जीवन में आएंगे राहु केतु। सीधे ब्रह्मांडीय अराजकता में गोता लगाने के लिए अपने गैंग के साथ तैयार हो जाइए! फिल्म 16 जनवरी 2026 में रिलीज होने वाली है। 'राहु-केतू' को जी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है और फिल्म का डायरेक्शन विपुल विग ने किया है।

फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर शालिनी पांडे हैं। इसके अलावा फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल और मनुऋषि चड्ढा भी महत्वपूर्ण किरदारों में दिखेंगे। फिल्म में 'फुकरे' की तरह ही भर-भर के कॉमेडी सीन हैं।

इससे पहले फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें लाल मिर्ची और नीले नींबू को दिखाया गया था और पोस्टर के साथ फिल्म के रिलीज की जानकारी दी गई थी। फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी देते हुए बीलाइव प्रोडक्शंस के प्रोड्यूसर सूरज सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि ये फिल्म सिर्फ कॉमेडी तक सीमित नहीं है, बल्कि ये हमारी संस्कृति और मान्यताओं को भी छूती है। जितनी फिल्म हंसने पर मजबूर करेगी, उतना ही अच्छा दर्शकों को संदेश भी देगी।

'आज की रात' गाने पर रानी चटर्जी ने किया जबरदस्त डांस

मुंबई। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान पूरी तरह अपनी ओर खींचा। इस वीडियो में रानी चटर्जी बॉलीवुड की हिट फिल्म 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' पर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में रानी चटर्जी ने गाने के हर स्टेप और मूव को उसी अंदाज में किया है, जिस तरह एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने फिल्म में किया था। सोशल मीडिया पर फैंस ने रानी चटर्जी के इस डांस को देखकर उन्हें 'भोजपुरी की तमन्ना भाटिया' का टैग देना शुरू कर दिया। वीडियो में रानी चटर्जी 'आज की रात' गाने पर जबरदस्त डांसिंग स्किल्स दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह ब्लैक कलर की आउटफिट में नजर आ रही हैं और गाने के हर बीट पर एनर्जी से भरे स्टेप्स कर रही हैं। उनके डांस मूव्स इतने परफेक्ट हैं कि यह बिल्कुल उसी तरह लग रहा है, जैसे तमन्ना भाटिया ने इस गाने में किया था। लोग उनके डांस के दीवाने हो गए। रानी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'आज की रील का मजा लीजिए।'

सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट होते ही रानी चटर्जी के फैंस ने कमेंट्स की बौछार लगा दी। लोग उनके डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट में लिखा, 'रानी, आप भोजपुरी की तमन्ना भाटिया हैं।' दूसरे फैन ने लिखा, 'आपने गाने के हर मूव को बहुत ही खूबसूरती से किया है।' वहीं कुछ ने कमेंट के जरिए उनसे बॉलीवुड के गानों पर ज्यादा रील बनाने की अपील की। 'आज की रात' गाना फिल्म 'स्त्री 2' से लिया गया है। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, पंकज त्रिपाठी, तमन्ना भाटिया और अपारशक्ति खुराना अहम किरदार में हैं। गाने को मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने गाया है और म्यूजिक कंपोजर सचिन-जिगर ने तैयार किया है।

समाज व राष्ट्र के प्रति साधु-संतों का योगदान अद्वितीय : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंकरपुरम में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित मुमुक्षु भव्य शाह की दीक्षा के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय 'संसार परिहार उत्सव' के शुभारंभ अवसर पर प्रासंगिक प्रवचन के दौरान आचार्यश्री ने दीक्षा लेने वालों के सामाजिक योगदान के पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन साधु की प्रत्येक प्रवृत्ति में आत्म कल्याण के साथ परोपकार जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जब सुशिक्षित युवा, घर, परिवार, व्यापार को छोड़ कर यदि दीक्षा लेते हैं तो आम जन-मानस में यह सवाल उठना लाजमी है कि वे समाज के बीच रहकर राष्ट्रनिर्माण या समाज उपयोगी कार्यों को छोड़कर मात्र स्वयं की साधना तक क्यों सीमित रह जाते हैं? इस सवाल का जवाब समझना हो तो पहले हमें दीक्षा के सच्चे स्वरूप और वास्तविक व्याख्या को समझना पड़ेगा। जैन शास्त्रों में दीक्षा की व्याख्या अनेक पहलुओं से की गई है। उनमें से एक है कि दीक्षा, यानी तमाम जीवसृष्टि के साथ आत्मिक नाता जोड़ना और 'मात्र सामाजिक कर्तव्य' के दायरे से मुक्त होकर आत्मिक कर्तव्यों का स्वीकार करना। इस दृष्टि से देखा जाए तो एक मुनि का कार्यक्षेत्र मात्र समाज तक सीमित न रहकर समस्त जीवसृष्टि चाहे फिर वह मानव हो, पशु पंखी हो, या कोई भी जीवजंतु हो, सभी के प्रति आत्मिक कर्तव्य होने से और

मुमुक्षु भव्य शाह का दीक्षा वर्षीदान वरघोड़ा आज, दीक्षा कल

व्यापक बन जाता है।ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि जिस प्रकार भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज को उपयोगी होने वाला विद्यार्थी उच्च अभ्यास हेतु अपने घर परिवार से दूर विदेश चला जाता है, एक सैनिक देश की सुरक्षा के लिए समाज-गाँव से दूर रहता है फिर भी बड़ी जिम्मेदारी निभाने के कारण उसे कोई अनुचित नहीं ठहराता। उसी प्रकार एक साधु, जीवसृष्टि के प्रति अपना कर्तव्य अदा करने जा रहा हो तो उसे छोटे कर्तव्यों से मुक्त होना ही पड़ता है, यह सार्वत्रिक नियम है। साधु के जीवन में परोपकार अनायास ही गुँथा हुआ है। वह समाज में अपने उपदेश द्वारा संस्कारों का सींचन कर लोगों के हृदय को निर्मल बनाता है और इससे सामाजिक संतुलन बना रहता है। उदाहरण के लिए समाज में अपराध के बढ़ने का कारण है व्यक्ति का मानसिक दूषण, मन में उठने वाली खराब इच्छाएँ। जिस अपराध को नियंत्रित करने और समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सरकार हर वर्ष करोड़ों का बजट बनाती है उसे नियंत्रित रखने में साधु-संतों की भूमिका अनायास ही सिद्ध होती है। वह दिन रात मेहनत करके, बड़ी लगन से, धैर्य से शास्त्रों का पठन करके, चिंतन-मनन करके, एक पैसा लिए बगैर अपने और समाज के मनोविकारों से लड़ते हैं। उपभोक्तावाद और प्रदूषण की समस्या से जूझती दुनिया में न्यूनतम संसाधनों के उपयोग और पर्यावरण हितैषी जीवनशैली अपनाकर साधु उपदेश दिए बगैर भी पर्यावरण संरक्षण की प्रभावशाली प्रेरणा प्रसारित करते हैं।

दीक्षा के उपलक्ष्य में दिन भर हुए अनेक अनुष्ठान

प्रवचन के पूर्व पालकी में विराजित भगवान, गुरु भगवन्तों और मुमुक्षु का सामैयापूर्वक दीक्षा मंडप तक प्रवेश हुआ। शंकरपुरम संघ के पदाधिकारियों ने दीक्षा मंडप का उद्घाटन किया। साथ ही दीक्षार्थी भव्य शाह और उनके परिवार के सदस्यों ने दीक्षा जीवन में अनुशासन और औचित्य को दर्शाती चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में संघ के युवा सदस्य आगंतुकों को चित्रों की रोचक समझ प्रदान कर रहे हैं।

इस मौके पर आदिनाथ जैन संघ, शंकरपुरम के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री से केसरिया आदिनाथ मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर ध्वजारोहण के अवसर पर निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया। इसके बाद शक्रस्तव अभिषेक, हितशिक्षा, मंगलगीत, वस्त्र रंगाई, संयम उपकरणों की छाब भराई, बहुमूल्य द्रव्यों से गुरुपूजन आदि दीक्षा की रस्में भी अदा की गईं। शाम को संयम सिम्फनी नामक कार्यक्रम में मुम्बई के नामी संगीतकार और गायक भाविक शाह , पारस गडा एवं देवांश डोशी ने वैराग्य और संयम के गीतों की प्रस्तुति द्वारा समा बांधा। दीक्षा महोत्सव के व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के सदस्य अभिषेक बम्ब ने बताया कि त्याग एवं वैराग्य का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से शनिवार को मुमुक्षु का वर्षीदान वरघोड़ा आयोजित किया गया है और शाम को विदाई समारोह होगा जिसमें अमन सोमावत और दीक्षार्थी भव्य शाह के बीच संवाद के माध्यम से एक नए अंदाज में दीक्षा जीवन के विभिन्न पहलुओं से श्रद्धालुओं को परिचित कराया जाएगा।

जो हृदय दूसरों के लिए धड़कता है, वही वास्तव में श्रेष्ठ है : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कृष्णगिरि की ओर विहार के दौरान रास्ते में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए डॉ. वरुणमुनिजी ने कहा कि जीवन में परिवर्तन तभी संभव है जब मनुष्य अपनी भूलों को सहजता से स्वीकार कर सही दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प ले। उन्होंने बताया कि सच्चा जीवन-परिवर्तन किसी बाहरी चमत्कार का परिणाम नहीं होता, बल्कि वह आत्म-जागरण, सत्संग, सद्विचार और निरंतर आत्म-साधना का फल होता है। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य का अंतर्मन ही उसके जीवन की दिशा निर्धारित करता है, यदि मन पवित्र, शांत और संयमित हो तो जीवन स्वयं ही उज्ज्वल हो जाता है। मुनिश्री ने विशेष रूप से चार बातों पर बल दिया। जैसे विचारों की पवित्रता, यानी विचार ही हमारे कर्मों को जन्म देते हैं। अतः शुद्ध विचार अपनाएँ और अपवित्र संकल्पों से दूरी बनाएँ। संयम और अनुशासन यानी अनियंत्रित जीवन दुःख का कारण है, जबकि अनुशासन हर सफल और सुखी जीवन का आधार है। सत्संग का महत्त्व अर्थात सत्संग मनुष्य के भीतर सोया हुआ विवेक जागृत करता है। जिस घर में सत्संग होता है, वहाँ कलह और कषाय टिक नहीं सकते। करुणा और अहिंसा मतलब दूसरों के प्रति करुणा, सेवा और सहानुभूति जीवन को महान बनाती है। जो हृदय दूसरों के लिए धड़कता है, वही वास्तव में श्रेष्ठ है। ङ्कमुनि श्री ने उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे सूर्य अपनी रोशनी से अंधकार को दूर कर देता है, उसी प्रकार सद्गुरु का उपदेश जीवन के अज्ञान-अंधकार को समाप्त करने की शक्ति रखता है। मुनिश्री ने कहा कि धर्म केवल सुनने की वस्तु नहीं, वह आत्मा में धारण करने का गुण है। जो धर्म को व्यवहार में उतारता है, वही वास्तव में जीवन-परिवर्तन के पथ पर अग्रसर होता है। सभा में मधुर वक्ता रूपेश मुनि जी ने दिव्य भजन प्रस्तुत कर सभा को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने सभी को मंगल पाठ प्रदान किया।

कर्नाटक शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय रामा ललितकला मंदिर द्वारा स्वर सेतु फाउण्डेशन के सहयोग से शनिवार शाम 5.30 बजे को बनशंकरी सेकेंड स्टेज स्थित श्रीराम ललितकला मंदिर के सभागार में कर्नाटक शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया है। फाउण्डेशन की मंजू वेंकट ने बताया कि शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम में शास्त्रीय गायक वेंकट आयलूर कर्नाटक शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। उनके साथ में वायलिन पर सीवी श्रुति, मृदंगम पर बीएस आनन्द तथा घट पर आर. अभिजीत संगत देंगे।

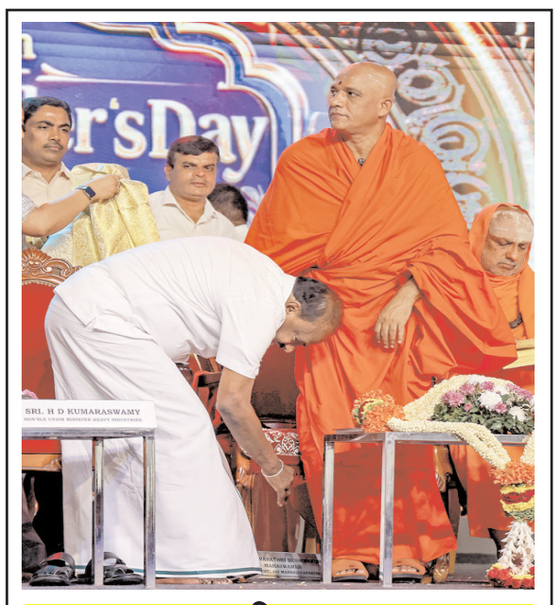

अभिवादन

बेंगलूरु में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक में 17वें फाउंडर्स डे के उद्घाटन के दौरान अदिचुंचनगिरी शिक्षण ट्रस्ट के प्रेसिडेंट निर्मलानंदनाथ स्वामीजी का अभिवादन किया।

ध्यान के माध्यम से विसर्जन, इमोशन पर नियंत्रण संभव : साध्वीश्री पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मैसूरु रोड स्थित ईगलटन मेमोरियल पार्क पिरामिड में साध्वी श्री पुण्ययशाजी की निश्रा में दीर्घश्वास प्रेक्षा तथा ज्योति केन्द्र प्रेक्षा के प्रयोग करवाए गए। साध्वी श्री विनितयशाजी व बोधिप्रभाजी भी ध्यान कक्षा में उपस्थित थीं। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा कि ध्यान के माध्यम से विसर्जन, इमोशन पर नियंत्रण होता है। प्रेक्षा ध्यान से चेतना केन्द्रों (चक्रों) का जागरण होता है जिसके कारण आन्तरिक रसायनों का परिवर्तन होता है और शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। साध्वीश्री ने सबको प्रतिदिन दीर्घश्वास प्रेक्षा व समवर्ती श्वास प्रेक्षा करने की प्रेरणा दी। इस मौके पर राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अपने अनुभव बताते हुए ध्यान को जीवन में अनिवार्य रूप से करने के फायदे बताए। कार्यक्रम में सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया, मनोहरलाल चावत तथा बिड़दी के पदमचन्द खटेड़, सुनील नाहटा सहित उपस्थित जनों ने मंगलपाठ श्रवण किया।

कांकरेज प्रगति समाज की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांकरेज प्रगति समाज की साधारण बैठक में वर्ष 2025-26 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से सुरेश शाह को अध्यक्ष, अरविंद शाह व प्रवीण शाह को उपाध्यक्ष, मनोज शाह को सचिव, जिग्नेश शाह एवं प्रदीप शाह को सहसचिव, संदीप शाह को कोषाध्यक्ष, तुषार शाह को सहकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। युवा समिति में विरल शाह, प्रियेश शाह, आकाश शाह को नियुक्त किया गया। नए अध्यक्ष सुरेश शाह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नए पदाधिकारियोंको शुभकामनाएं दी। सचिव मनोज शाह ने बताया कि कांकरेज प्रगति समाज का गठन 55 वर्ष पूर्व आपसी मेलमिलाप व व्यापार विकास के लिए किया गया था। यह समाज अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं चिकित्सा आदि क्षेत्रों में कार्यरत है।

इस संतोष के साथ अदालत कक्ष छोड़ रहा हूं कि देश के लिए जो कर सकता था कियाः न्यायमूर्ति गवई

नयी दिल्ली/भाषा

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने शुक्रवार को कहा कि वह वकील तथा न्यायाधीश के रूप में करीब चार दशक की अपनी यात्रा के समापन पर संतोष और संतृप्ति की भावना के साथ और 'न्याय के विद्यार्थी' के रूप में न्यायालय छोड़ रहे हैं। न्यायमूर्ति गवई ने अपने विदाई समारोह के दौरान एक रस्मी पीठ के समक्ष कहा, ''आप सभी को सुनने के बाद, और खासकर अटॉर्नी जनरल (आर वेंकटरमणि) और कपिल सिब्बल की कविताओं और आप सभी की गर्मजोशी भरी भावनाओं को जानने के बाद, मैं भावुक हो रहा हूं। इस पीठ में प्रधान न्यायाधीश नियुक्त हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन भी थे। भावुक दिख रहे प्रधान न्यायाधीश ने विधि अधिकारियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और युवा वकीलों से खचाखच भरे अदालत कक्ष में कहा,जब मैं इस अदालत कक्ष से आखिरी बार निकल रहा हूं तो पूरी संतुष्टि के साथ निकल रहा हूं, इस संतोष के साथ कि मैंने इस देश के लिए जो कुछ भी कर सकता था, वह किया है। धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।''

कार्यवाही के दौरान, अधिवक्ताओं ने न्यायमूर्ति गवई की न्यायपालिका पर छोड़ी गई छाप को याद किया। न्यायमूर्ति गवई, केजी बालकृष्णन के बाद दूसरे दलित और पहले बौद्ध प्रधान न्यायाधीश हैं। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर कोई, हर न्यायाधीश, हर वकील, उन सिद्धांतों से चलता है जिन पर हमारा संविधान काम करता है, यानी बराबरी, न्याय, आज़ादी और भाईचारा। मैंने संविधान के दायरे में रहकर अपना कर्तव्य अदा करने की कोशिश की, जो हम सभी को बहुत प्यारा है।

न्यायमूर्ति गवई ने 14 मई को प्रधान न्यायाधीश के तौर पर छह महीने से अधिक कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। वह 23 नवंबर, 2025 को पद छोड़ेंगे और शुक्रवार उनका आखिरी कार्य दिवस था। अपनी यात्रा के बारे में बताते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जब मैं 1985 में (कानून के) पेशे में आया, तो मैंने लॉ स्कूल में एडमिशन लिया। आज, जब मैं पद छोड़ रहा हूं, तो मैं न्याय के एक छात्र के तौर पर पद छोड़ रहा हूं। उन्होंने एक वकील से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और आखिर में भारत के प्रधान न्यायाधीश बनने के अपने 40 साल से ज़्यादा के सफर को बहुत संतोषजनक बताया। उन्होंने कहा कि हर पद को ताकत के तौर पर नहीं, बल्कि समाज और देश की सेवा करने के मौके के तौर पर देखा जाना चाहिए।

डॉ. बी. आर. आंबेडकर और अपने पिता, जो एक नेता थे और संविधान के मुख्य रचनाकार के करीबी सहयोगी थे, की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनका न्यायिक दर्शन आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए आंबेडकर की प्रतिबद्धता पर आधारित है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा मौलिक अधिकारों को राज्य नीति के दिशानिर्देशक सिद्धांत साथ संतुलित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनके कई फैसलों ने संवैधानिक स्वतंत्रता का सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण जरूरतों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के मामले उनके दिल के करीब रहे हैं। उन्होंने पर्यावरण, पारिस्थितिकी और वन्यजीवन के मुद्दों से अपने लंबे जुड़ाव के बारे में बताया।

मेरी 40 वर्षों से यही शिकायत रही है : कमल हासन

पणजी/भाषा

अभिनेता कमल हासन ने शुक्रवार को कहा कि स्वतंत्र सिनेमा भी भारत की तरह स्वतंत्र है और वह मुख्यधारा के बाहर की फिल्मों को सिनेमाघरों में जगह नहीं मिलने का मुद्दा पिछले चार दशक से उठाते आ रहे हैं। हासन अपनी फिल्म 'अमरन' की स्क्रीनिंग से पहले भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के रेड कार्पेट पर नजर आए। इस फिल्म का निर्माण हासन के बैनर 'राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल' तले किया गया है।

'अपूर्वा रागंगल', 'नायकन', 'थेवर मगन', 'सदमा', 'पुष्पक विमान' और 'चाची 420' जैसी फिल्मों के जरिये अपने अभिनय कौशल का लोहा मनवाने वाले हासन का मानना है कि स्वतंत्र सिनेमा को मुख्यधारा के सिनेमा के समान ढांचे में नहीं ढाला जाना चाहिए। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, स्वतंत्र सिनेमा बहुत स्वतंत्र है, भारत जितना ही स्वतंत्र... इसे व्यवसायिक सिनेमा के सीमित दायरे में न लाएं। मुख्यधारा के बाहर की फिल्मों को सिनेमाघरों में जगह नहीं मिलने के बारे में पूछे जाने पर हासन ने कहा, हां, लगभग 40 वर्षों से मैं भी यही शिकायत करता आ रहा हूं। रेड कार्पेट पर हासन के साथ 'अमरन' के उनके सह-कलाकारों शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी ने भी चहलकदमी की।

'अमरन' की कहानी मेजर मुकुंद वर्धराजन के जीवन पर आधारित है, जो 2014 में कश्मीर में एक आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हो गए थे।

ऑफिस दर्शन के तहत 'स्वास्थ्य, ज्ञान और वेलनेस' पर आयोजित हुआ प्रेरक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह द्वारा दूसरे ऑफिस दर्शन कार्यक्रम के तहत योग निकेतन आश्रम में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसकी मेजबानी 'यू-फिट न्यूट्रीशन' की संस्थापिका मोक्षा सोलंकी ने की। मोक्षा सोलंकी ने स्वास्थ्य और पोषण को सरल, सहज तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। इस सत्र में उन्होंने संतुलित आहार के महत्व, लंबी अवधि तक ऊर्जा बनाए रखने हेतु पोषक तत्वों के सही संतुलन तथा कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और दैनिक खान-पान से जुड़े मिथकों पर स्पष्ट जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि परिवर्तन तभी आसान होता है जब ज्ञान स्पष्ट हो और कर्म निरंतर हो। इस मौके पर नार्थ लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना, महामंत्री रक्षा छाजेड़ सहित कुल 35 सदस्याएं उपस्थित थीं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**